डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 89 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 08 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

कर्नाटक बजट 2025 पर सियासी संग्राम, BJP ने बताया 'औरंगजेबी बजट', कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा पेश किए गए 2025-26 के बजट पर बड़ा सियासी बवाल खड़ा हो गया है। बजट में मुस्लिम समुदाय के लिए किए गए खास प्रावधानों पर भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने तीखा हमला बोला है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इस बजट को 'हलाल बजट' और 'औरंगजेब से प्रेरित' बताते हुए कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का गंभीर आरोप लगाया है।

बजट में मुस्लिम समुदाय के लिए खास घोषणाएं

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा पेश बजट में अल्पसंख्यक समुदाय, खासतौर पर मुसलमानों के लिए कई योजनाओं की घोषणा की गई है, जिनमें प्रमुख हैं:

मस्जिदों के इमामों को ₹6,000 प्रतिमाह भत्ता।

वक्फ संपत्तियों के विकास और सुरक्षा के लिए ₹150 करोड़।

उर्दू स्कूलों के विकास के लिए ₹100 करोड़।

अल्पसंख्यक कल्याण के लिए कुल ₹1,000 करोड़ का प्रावधान।

लोक निर्माण विभाग के ठेकों में मुस्लिम समुदाय के लिए 4% आरक्षण का प्रस्ताव।

BJP का तीखा हमला

इन घोषणाओं के बाद BJP ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है।

BJP नेता अमित मालवीय ने कहा, "यह बजट तुष्टिकरण की राजनीति का खुला उदाहरण है। कांग्रेस सरकार धर्म के आधार पर आरक्षण देकर संविधान का उल्लंघन कर रही है। ये बजट औरंगजेब की नीतियों से प्रेरित है।" कर्नाटक बीजेपी ने इसे 'हलाल बजट' की संज्ञा दी और सोशल मीडिया पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस बजट में हिन्द समाज, एससी, एसटी और ओबीसी के लिए कुछ खास नहीं किया गया।

कांग्रेस का पलटवार

वहीं कांग्रेस ने BJP के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी का कहना है कि बजट में सभी वर्गों और समुदायों के विकास का ध्यान रखा गया है। कांग्रेस नेताओं ने BJP पर बेवजह नफरत फैलाने और राजनीति करने का आरोप लगाया।

सियासी हलचल तेज

कर्नाटक बजट के जरिए एक बार फिर राज्य की राजनीति में तुष्टिकरण बनाम सामाजिक न्याय की बहस तेज हो गई है। भाजपा इसे लोकसभा चुनाव से पहले धार्मिक ध्रुवीकरण का मुद्दा बना रही है, तो कांग्रेस इसे 'सबका साथ, सबका विकास' का हिस्सा बता रही है।

फिलहाल इस मुद्दे पर दोनों दलों के बीच तीखी जुबानी जंग जारी है और आने वाले दिनों में यह विवाद और गहराने की संभावना है

जयपुर में SDPI प्रदेश कार्यालय पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, फंडिंग नेटवर्क की जांच तेज

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ED) की टीम ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (SDPI) के प्रदेश कार्यालय पर बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। यह छापेमारी संदिग्ध विदेशी फंडिंग, हवाला नेटवर्क और देशविरोधी गतिविधियों में फंड के इस्तेमाल की आशंका को लेकर की गई है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीम ने जयपुर के झोटवाड़ा इलाके में स्थित SDPI के प्रदेश मुख्यालय पर सुबह करीब 7 बजे दस्तक दी। कार्रवाई के दौरान कार्यालय को चारों ओर से घेर लिया गया और किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। छापे के दौरान ईडी अधिकारियों ने वहां मौजूद पदाधिकारियों से पूछताछ की और कार्यालय में रखे दस्तावेजों, लैपटॉप, कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की गहन जांच की।

संदिग्ध लेन-देन और विदेशी फंडिंग पर नजर

जानकारी के मुताबिक, SDPI पर लंबे समय से संदिग्ध लेन-देन, खासकर विदेशों से फंडिंग को लेकर जांच एजेंसियों की नजर थी। आरोप है कि संगठन के खातों में बड़ी मात्रा में विदेशी फंड ट्रांसफर हुए, जिनका इस्तेमाल सामाजिक कार्यों की आड़ में गलत गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।

PFI से कनेक्शन की भी जांच

गौरतलब है कि SDPI को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) से जुड़ा माना जाता है। PFI पर पहले ही केंद्र सरकार ने देशभर में कार्रवाई कर उस पर प्रतिबंध लगा दिया है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि PFI पर कार्रवाई के बाद SDPI के जरिए फंडिंग और नेटवर्क को सक्रिय रखा जा रहा है। इसी कड़ी में ईडी ने यह कार्रवाई की है।

कई दस्तावेज जब्त, बैंक डिटेल की भी पड़ताल

ईडी अधिकारियों ने कार्यालय से कई फाइलें, खातों से जुड़ी जानकारी, दानदाताओं की सूची और विदेशी लेन-देन से जुड़े कागजात जब्त किए हैं। साथ ही, SDPI के पदाधिकारियों के निजी खातों की भी जांच की जा रही है कि कहीं व्यक्तिगत खातों के जरिए भी फंडिंग तो नहीं हो रही थी।

सुरक्षा व्यवस्था सख्त

छापेमारी के दौरान जयपुर पुलिस का भी दस्ता मौके पर तैनात रहा। कार्यालय के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो।

आगे की कार्रवाई जारी

फिलहाल ईडी की टीम दस्तावेजों की जांच में जुटी है और कार्यालय में लंबी पूछताछ चल रही है। शुरुआती जानकारी के आधार पर एजेंसी जल्द ही इस मामले में कुछ गिरफ्तारियां भी कर सकती है।

यह कार्रवाई केवल राजस्थान ही नहीं, देशभर में SDPI के नेटवर्क और उसके फंडिंग मॉडल को लेकर बड़े खुलासे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है

राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द मिल सकते हैं 7 नए जज

-जोधपुर से 4 और जयपुर से 3 नामों की सिफारिश, न्याय व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायिक कार्यों को गति देने और लंबित मामलों के बोझ को कम करने के उद्देश्य से जल्द ही 7 नए जजों की नियुक्ति की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा इन नामों पर विचार के बाद सिफारिशें केंद्र सरकार को भेजी गई हैं। इन सिफारिशों में जोधपुर से 4 और जयपुर से 3 वरिष्ठ अधिवक्ताओं के नाम शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट में न्यायिक रिक्तियों के चलते लगातार मामलों का निपटारा प्रभावित हो रहा था। ऐसे में न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने और जनता को त्वरित न्याय देने के लिए इन नियुक्तियों को बेहद जरूरी माना जा रहा है।

कौन-कौन शामिल हैं संभावित नए जजों में?

सूत्रों के मुताबिक, जिन नामों की सिफारिश की गई है, उनमें जोधपुर के चार वरिष्ठ वकील और जयपुर के तीन अनुभवी अधिवक्ता शामिल हैं, जो लंबे समय से विभिन्न संवैधानिक, दीवानी और आपराधिक मामलों की पैरवी कर रहे हैं। हालांकि, इन नामों की औपचारिक घोषणा कॉलेजियम की मंजूरी और केंद्र सरकार की अधिसूचना के बाद होगी।

राजस्थान हाईकोर्ट में खाली पदों की स्थिति

राजस्थान हाईकोर्ट में कुल स्वीकृत जजों की संख्या 50 है, लेकिन वर्तमान में करीब 22 पद खाली हैं। लगातार बढ़ते केस लोड के चलते लंबे समय से जजों की संख्या बढ़ाने की मांग की जा रही थी। बताया जा रहा है कि अगर ये नियुक्तियां पूरी हो जाती हैं, तो कोर्ट में न्यायिक प्रक्रिया तेज होगी और हजारों लंबित मामलों का निपटारा संभव हो सकेगा।

क्या होगा फायदा?

हाईकोर्ट में लंबित मामलों की सुनवाई में तेजी आएगी।

जनता को त्वरित न्याय मिल सकेगा।

वकीलों को अधिक अवसर मिलेंगे, क्योंकि अधिक बेंचों का गठन होगा।

संवेदनशील मामलों में जल्द फैसले की संभावना बढ़ेगी।

नियुक्तियों की प्रक्रिया

जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया के तहत पहले हाईकोर्ट कॉलेजियम योग्य अधिवक्ताओं के नामों का चयन कर उन्हें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को भेजता है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम समीक्षा कर अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजता है। इसके बाद केंद्र की स्वीकृति के बाद राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक नियुक्ति की जाती है।

इन नियुक्तियों से न्यायपालिका को राहत

राजस्थान हाईकोर्ट में वर्षों से लंबित मामलों की संख्या लाखों में पहुंच चुकी है। वकीलों और आम नागरिकों की ओर से लगातार मांग की जा रही थी कि खाली पदों को जल्द भरा जाए। ऐसे में 7 नए जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू होना न्यायिक व्यवस्था के लिए एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

फिलहाल प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है, और उम्मीद है कि जल्द ही इन नामों की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।

कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान का शुभारंभ आज ओम बिरला करेंगे

-विश्वस्तरीय सुविधाएं होंगी कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थाणन विधान सभा के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान की विश्वस्तओरीय सुविधाओं का शुभारम्भ शनिवार, आठ मार्च को लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा सनातन परंपरा और वैदिक रीति से हवन में पूर्ण आहुति अर्पित करके किया जायेगा। इस मौके पर राजस्था न विधान सभा अध्यरक्ष वासुदेव देवनानी सहित सोलहवीं राजस्थाकन विधान सभा के सदस्यथगण, लोक सभा और राज्य सभा में राजस्थाऔन के सांसदगण, पूर्व विधायकगण सहित क्लयब के सदस्य गण मौजूद रहेंगे।

सनातन परंपरा और वैदिक रीति से होगा क्लिब का शुभारंभ—

विधान सभा अध्यरक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि भारतीय सनातन परम्प रा और वैदिक रीति से कार्यक्रम होगा। क्लाब का शुभारंभ हवन से होगा जिसमें पूर्ण आहुति लोक सभा अध्यपक्ष ओम बिरला और मुख्यअमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा दी जायेगी। क्लाब का शुभारंभ भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण, क्लतब की सुविधाओं का फीता खोलकर और दीप प्रज्वलित कर विभिन्न मंत्रोच्चाेर से अतिथिियों द्वारा किया जायेगा।

विश्वपस्तरीय सुविधाओं से युक्तु है कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान —

राजस्थापन विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि प्रदेश में नई दिल्ली— की तर्ज पर कॉन्स्टीट्यूशन क्लब का निर्माण किया गया है। इस महत्वपूर्ण स्थवल पर विश्वास्तरीय सुविधायें तैयार करायी गई है। क्लूब में बेसमेंट, भूतल और पाँच तलों का 1 लाख 95 हजार फीट निर्माण किया गया है। राज्य की यह परियोजना देश में एक बेहतर मिसाल है। विधान सभा के समीप 4 हजार 948 वर्गमीटर भूखण्ड पर लगभग 80 करोड रूपये की लागत से क्लब का निर्माण किया गया है। क्लब में रेस्टोरेन्ट, कॉफी हाउस, स्विमिंग पूल, ऑडिटोरियम, मीटिंग हॉल, कान्फ्रेन्स हॉल, वीआईपी लाउज,जिम, सैलून, बैडमिन्टन, टेबल टेनिस एवं लॉन टेनिस कोर्ट सहित अतिथियों के ठहरने हेतु कमरों का भी निर्माण किया गया है।

राजस्थामन विधान सभा देश की पहली विधान सभा है जहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब का निर्माण हुआ —

देवनानी ने बताया कि देश के विधानमण्डलों में राजस्थान विधान सभा ऐसी पहली विधान सभा है, जहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब का निर्माण किया गया है। नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब की तर्ज पर जयपुर में कॉन्स्टीट्यूशन क्लब बनाया गया है। उन्हों ने बताया कि क्लनब के शुभारंभ अवसर पर क्लब के सदस्यों को क्लब से सम्बन्धित जानकारी देने के लिये एक लघु वृत्तन चित्र फिल्मब बनायी गयी है। उपलब्ध‍ सुविधाओं के उपयोग के लिये क्लबब की वेबसाइट का भी निर्माण किया गया है। शुभारम्भ कार्यक्रम में लघु वृत्तय चित्र का प्रदर्शन किया जायेगा और वेबसाइट की भी शुरूआत होगी।

मानवीय विचारों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण केन्द्र बनेगा कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान—

राजस्थावन विधान सभा अध्यीक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान मानवीय विचारों के आदान-प्रदान का महत्व पूर्ण केन्द्रव बनेगा। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्य मंत्रीगण, पूर्व विधान सभा अध्य क्षगण भी इस क्लनब के सदस्य है। प्रदेश के वरिष्ठव राजनीतिज्ञों के विभिन्न्‍ पहलुओं के अनुभवों से नये विधायकगण लाभान्वित होंगे। क्लसब में विभिन्न अवसरों पर कार्यशालायें और सेमिनार आयोजित होंगी। राज्य के लोगों विशेषकर राजनीति के क्षेत्र में कदम रखने वाले युवा पीढ़ी को इन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का लाभ मिल सकेगा।

प्रधानमंत्री ने 2580 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

दादरा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव के सिलवासा में 2580 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम से पहले सिलवासा में नमो अस्पताल का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली, दमण और दीव के समर्पित कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें इस क्षेत्र से मिलने और जुड़ने का अवसर दिया। उन्होंने इस क्षेत्र के लोगों के साथ अपनी गर्मजोशी और लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को स्वीकार किया और बताया कि इस क्षेत्र के साथ उनका रिश्ता दशकों पुराना है। उन्होंने वर्ष 2014 में उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से इस क्षेत्र में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसने दादरा और नगर हवेली, दमण और दीव की क्षमता को एक आधुनिक और प्रगतिशील पहचान में बदल दिया है।

मोदी ने कहा, "सिलवासा की प्राकृतिक सुंदरता और यहां के लोगों का स्नेह, साथ ही दादरा और नगर हवेली, दमण और दीव, आप सभी से मेरा कितना पुराना नाता है। यह दशकों पुराना यह रिश्ता है। यहां आने पर मुझे जो खुशी मिलती है, उसे केवल आप और मैं ही समझ सकते हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि जब वे पहली बार यहां आए थे, तो यह इलाका बिल्कुल अलग था, लोग प्रश्न पूछ रहे थे कि एक छोटे से तटीय क्षेत्र में क्या हो सकता है। हालांकि, उन्हें यहां के लोगों और उनकी क्षमताओं पर सदैव विश्वास रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के नेतृत्व में यह भरोसा प्रगति में बदल गया है, जिससे सिलवासा एक महानगरीय शहर बन गया है, जो अपने सभी निवासियों के लिए नए अवसरों के साथ संपन्न हो रहा है।

मोदी ने सिंगापुर का उदाहरण भी साझा किया, जो अपने शुरुआती दिनों में एक छोटा सा मछली पकड़ने वाला गाँव था। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सिंगापुर का परिवर्तन उसके लोगों की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण हुआ है। प्रधानमंत्री ने केंद्र शासित प्रदेश के नागरिकों को विकास के लिए इसी तरह का संकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें आश्वासन दिया कि वे उनके साथ खड़े हैं, लेकिन उन्हें भी आगे बढ़ने की पहल करनी होगी।

मोदी ने बल देकर कहा, "दादरा और नगर हवेली, दमण और दीव सिर्फ एक केंद्र शासित प्रदेश नहीं है, बल्कि यह गौरव और विरासत का स्रोत है। यही कारण है कि हम इस क्षेत्र को एक ऐसे आदर्श राज्य में बदल रहे हैं जो अपने समग्र विकास के लिए जाना जाता है।"

प्रधानमंत्री ने बताया कि उनका सपना है कि यह क्षेत्र अपने उच्च प्रौद्योगिकी वाले बुनियादी ढांचे, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों, पर्यटन, समुद्री अर्थव्यवस्था, औद्योगिक प्रगति, युवाओं के लिए नए अवसरों और विकास में महिलाओं की भागीदारी के लिए पहचाना जाए।

मोदी ने कहा कि श्री प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व में और केंद्र सरकार के सहयोग से यह क्षेत्र इन लक्ष्यों की ओर तेजी से अग्रसर है। पिछले 10 वर्षों में विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अब विकास के मामले में एक अलग पहचान के साथ राष्ट्रीय मानचित्र पर उभर रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि वन नेशन वन राशन कार्ड, जल जीवन मिशन, भारतनेट, पीएम जन धन योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा और पीएम सुरक्षा बीमा जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं ने लोगों, विशेष रूप से वंचितों और जनजातीय समुदायों को काफी लाभ पहुंचाया है।

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि अगला लक्ष्य सैचुरेशन है स्मार्ट सिटी मिशन, समग्र शिक्षा और पीएम मुद्रा योजना जैसी पहलों में 100 प्रतिशत संतृप्ति हासिल करना है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहली बार सरकार इन कल्याणकारी योजनाओं के साथ सीधे लोगों तक पहुँच रही है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक नागरिक को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले।

प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे, शिक्षा, रोजगार और औद्योगिक विकास में दादरा और नगर हवेली, दमण और दीव के परिवर्तन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पहले इस क्षेत्र के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाना पड़ता था, लेकिन आज इस क्षेत्र में छह राष्ट्रीय स्तर के संस्थान हैं। इनमें नमो चिकित्सा महाविद्यालय, गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, आईआईआईटी दीव, राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी संस्थान, होटल प्रबंधन और कैटरिंग प्रौद्योगिकी संस्थान और दमण इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल हैं। इन संस्थानों ने सिलवासा और इस क्षेत्र को एक नया शिक्षा केंद्र बना दिया है।

मोदी ने कहा, "युवाओं को और अधिक लाभान्वित करने के लिए, इन संस्थानों में उनके लिए सीटें आरक्षित की गई हैं। पहले मुझे यह देखकर खुशी होती थी कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ चार अलग-अलग माध्यमों में शिक्षा प्रदान की जाती है: हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती और मराठी। अब, मुझे यह कहते हुए भी गर्व हो रहा है कि यहाँ प्राथमिक और जूनियर स्कूलों के बच्चे स्मार्ट कक्षाओं में पढ़ रहे हैं।"

मोदी ने कहा कि हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का काफी विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा, "वर्ष 2023 में मुझे यहां नमो चिकित्सा महाविद्यालय का उद्घाटन करने का अवसर मिला। इसके साथ ही 450 बिस्तरों की क्षमता वाला एक नया अस्पताल भी शुरू किया गया है, जिसका आज उद्घाटन भी हुआ है। सिलवासा में स्वास्थ्य सुविधाओं से इस क्षेत्र के जनजातीय समुदाय को बहुत लाभ होगा।"

प्रधानमंत्री ने आज की स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला, क्योंकि यह जन औषधि दिवस के साथ मेल खाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जन औषधि किफायती इलाज सुनिश्चित करती है। इस पहल के अंतर्गत सरकार गुणवत्तापूर्ण अस्पताल, आयुष्मान भारत के अंतर्गत मुफ्त इलाज और जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाएं उपलब्ध करा रही है। देश भर में 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्र 80 प्रतिशत तक कम कीमतों पर दवाएं प्रदान करते हैं। लगभग 40 जन औषधि केंद्र दादरा और नगर हवेली, दमण और दीव के लोगों को लाभान्वित कर रहे हैं। सरकार का लक्ष्य भविष्य में देश भर में 25,000 जन औषधि केंद्र खोलना है। मोदी ने बल देकर कहा, "इस पहल के शुभारंभ के बाद से, लगभग 6,500 करोड़ रुपये मूल्य की सस्ती दवाएँ ज़रूरतमंदों को उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे ग़रीब और मध्यम वर्ग को 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है।"

दादरा और नगर हवेली, दमण और दीव में महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी सुधारों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दादरा के पास एक बुलेट ट्रेन स्टेशन बनाया जा रहा है, और मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे सिलवासा से होकर गुजरता है। पिछले कुछ वर्षों में, कई किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण किया गया है, जिसमें 500 किलोमीटर से अधिक सड़क का काम वर्तमान में चल रहा है, जिसमें हजारों करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। श्री मोदी ने कहा, "क्षेत्र को उड़ान योजना से भी लाभ मिल रहा है और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए स्थानीय हवाई अड्डे को उन्नत किया जा रहा है। सरकार क्षेत्र में व्यापक विकास सुनिश्चित करने और बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

आत्मनिर्भर बन रही आधी आबादी

अन्नपूर्णा देवी। आदिकाल से ही भारत में महिलाओं का समाज में प्रमुख स्थान रहा है। नारी पूजा का भाव, विचार और विश्वास भारतीय मानस में बसा हुआ है। 'शतपथ ब्राह्मण' में उल्लेख है कि श्रीराम के गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में संगीत शिक्षण उनकी विदुषी पत्नी अरुंधति ही करतीं थीं। ऋग्वेद में भी गार्गी, मैत्रेयी, घोषा, अपाला, लोपामुद्रा जैसी अनेक ऋषिकाओं का उल्लेख मिलता है।

दुख का विषय है कि स्त्री शिक्षा की इतनी गौरवपूर्ण और स्वर्णिम परिपाटी परवर्ती काल में खासतौर से मध्ययुग में आक्रांताओं के शासनकाल और उसके बाद फिरंगियों की गुलामी के दौरान छिन्न-भिन्न होती चली गई। आजादी के संघर्ष के दौरान और आजादी के बाद महिलाओं का समाज में पुनः कुछ सम्मान बढ़ा, लेकिन उनकी प्रगति की गति दशकों तक धीमी रही।

गरीबी और निरक्षरता महिलाओं के सशक्तीकरण में गंभीर बाधा रही है। महात्मा गांधी ने 23 दिसंबर 1936 को अखिल भारतीय महिला सम्मेलन में कहा था, 'जब महिला, जिसे हम अबला कहते हैं, सबला बन जाएगी तो वे सभी जो असहाय हैं, शक्तिशाली बन जाएंगे।' बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने भी सशक्त भारत के निर्माण में महिलाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए लिखा, 'सामाजिक न्याय के लिए महिला सशक्तीकरण जरूरी है, तभी समाज में महिला का उत्थान हो सकता है।' महिलाओं के उत्थान से ही स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के लोकतांत्रिक विचारों के साथ समाज का पुनर्निर्माण संभव है।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता दिलाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम का संदेश महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस और तेजी से कदम उठाने की आवश्यकता पर बल देना है। मोदी सरकार इसी दिशा में सक्रिय है।हमारी सरकार ने विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के उत्थान और सशक्तीकरण हेतु अनेक ठोस कदम उठाए हैं। ये नीतियां महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता, सुरक्षा और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। पिछले दस वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का जमीन पर लाभ दिखना शुरू हो गया है।गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदान करना हो, स्वास्थ्य और सुविधा में सुधार हेतु 'उज्ज्वला योजना' हो या बालिकाओं की शिक्षा और भविष्य की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'सुकन्या समृद्धि योजना' हो, महिलाओं-बेटियों का हित भारत सरकार की प्राथमिकता है।

लूसी: 32 लाख साल पुरानी 'पहली मां' की अनसुनी दास्तान

करीब 32 लाख साल पहले, 29 साल की एक महिला अपने बच्चे के साथ खाने की तलाश में निकली। वह परिवार से दूर झील किनारे पहुंची, जहां पानी पीने के लिए झुकी ही थी कि अचानक एक मगरमच्छ ने उसे अपना शिकार बना लिया। इस महिला का नाम 'लूसी' था, जिसे वैज्ञानिक इंसानों की पहली ज्ञात मां मानते हैं।

इंसान कैसे बना? डार्विन की थ्योरी से लूसी तक

1859 में जियोलॉजिस्ट चार्ल्स डार्विन ने 'थ्योरी ऑफ इवोल्यूशन' में बताया कि इंसानों के पूर्वज बंदर थे। उन्होंने समझाया कि ऑरेंगुटैन प्रजाति के कुछ सदस्य पेड़ पर रहे, तो कुछ जमीन पर रहने लगे। जो जमीन पर आए, उन्होंने खड़े होकर चलना सीखा, अपने हाथों का इस्तेमाल करना शुरू किया और धीरे-धीरे उनमें बदलाव आने लगे। ये बदलाव एक-दो साल में नहीं, बल्कि करोड़ों सालों में हुए।

बंदर से इंसान बनने की इस प्रक्रिया में दो अहम बदलाव हुए— पहला, इंसानों का दिमाग बंदरों से बड़ा हो गया और दूसरा, वे चार पैरों के बजाय सिर्फ दो पैरों पर चलने लगे। लेकिन वैज्ञानिकों के सामने एक बड़ा सवाल था— पहले दिमाग बड़ा हुआ या दो पैरों पर चलने की आदत पड़ी?

पहली खोज: 25 लाख साल पुरानी खोपड़ी

1924 में साउथ अफ्रीका की एक खदान में 25 लाख साल पुरानी एक खोपड़ी मिली। इसे ऑस्ट्रेलियाई मानवविज्ञानी रेमंड डार्ट ने इंसान के बच्चे की खोपड़ी बताया। रीढ़ की हड्डी के जुड़ाव के तरीके से यह स्पष्ट था कि यह दो पैरों पर चल सकता था। इसे दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात मानव मानते हुए इसका नाम रखा गया— 'ऑस्ट्रेलोपिथेकस अफ्रिकैनस'। लेकिन यह पूरी तरह से सही जवाब नहीं था। असली और चौंकाने वाली खोज 1974 में हुई, जब वैज्ञानिकों को लूसी का कंकाल मिला। यह खोज साबित करती है कि इंसान बनने की प्रक्रिया उससे भी पुरानी थी, जितना पहले सोचा गया था।

एक ऐतिहासिक खोज की शुरुआत

1970 में फ्रांस के पैलियोएंथ्रोपोलॉजिस्ट मॉरिस तैयब ने इथियोपिया के 'अफार ट्रायंगल' में एक महत्वपूर्ण साइट खोजी, जिसे बाद में 'हदार फॉर्मेशन' नाम दिया गया। यहां जीवाश्मों की तलाश शुरू हुई, जिसमें अमेरिकी जीवाश्मविज्ञानी डोनाल्ड जोहान्सन और उनकी टीम भी शामिल थी।

पहली सुराग: एक घुटने की हड्डी

नवंबर 1973 में जोहान्सन और उनके स्टूडेंट टॉम ग्रे को एक इंसानी पैर का टुकड़ा मिला, जिससे संकेत मिला कि यह दो पैरों पर चलने वाला जीव था। लेकिन असली खोज एक साल बाद हुई।

लूसी की खोज: 24 नवंबर 1974

सुबह के समय, जोहान्सन एक सर्वे के लिए निकले थे। लौटते वक्त, पास की एक खाई में उन्हें डेढ़ इंच की एक कोहनी की हड्डी मिली। पहले तो लगा कि यह किसी बबून बंदर की हड्डी होगी, लेकिन नजदीक से देखने पर साफ हुआ कि यह इंसान के पूर्वज की थी। पास में ही जांघ की हड्डी का निचला हिस्सा भी मिला। जब इस हड्डी को एक साल पहले मिली घुटने की हड्डी से जोड़ा गया, तो पता चला कि यह दो पैरों पर सीधे खड़ा होकर चलने वाला जीव था— और यह ऑस्ट्रेलोपिथेकस अफ्रिकैनस से भी पुराना था!

सबसे पुराना इंसानी कंकाल

जोहान्सन और उनकी टीम को चट्टानों के नीचे 200 फीट गहराई तक खुदाई करने पर 47 हड्डियां मिलीं। इनमें से – -पेल्विस (श्रोणि हड्डी), जिससे साबित हुआ कि यह एक महिला थी। छोटी खोपड़ी का हिस्सा, जिससे अंदाजा लगा कि यह मानव के शुरुआती पूर्वजों में से थी। कुछ पसलियां और जबड़े की हड्डियां, जो इसके संपूर्ण कंकाल को समझने में मददगार साबित हुईं।

लूसी नाम कैसे पड़ा?

उस रात जोहान्सन की टीम ने कैंप में जश्न मनाया। बीटल्स का मशहूर गाना "Lucy in the Sky with Diamonds" बजाया जा रहा था। इसी दौरान जोहान्सन की गर्लफ्रेंड पामेला एल्डरमैन ने मजाक में कहा— "हम इसे लूसी क्यों नहीं कहते?" वैज्ञानिक नाम A.L.288-1 (Afar Locality 288) था, लेकिन टीम के लिए वह 'लूसी' बन चुकी थी!

लूसी का ऐतिहासिक महत्व

अगले तीन हफ्तों में लूसी का 40% कंकाल मिल गया। यह खोज साबित करती है कि इंसान का विकास बंदरों से हुआ और वह पहले की सोच से भी लाखों साल पुराना है। आज, अमेरिका और इथियोपिया में 'लूसी' नाम से कई कॉफी शॉप्स हैं। इथियोपिया की स्थानीय भाषा में लूसी को 'डिंकिनेश' कहा गया, जिसका अर्थ है— "आप अद्त हैं।"

बच्चे पैदा करने में दाई की मदद

वैज्ञानिकों का मानना है कि लूसी 15 से 20 सदस्यों के एक ग्रुप में रहती थी। लूसी के कंकाल से यह पता चलता है कि वह बच्चों को जन्म देने में सक्षम थी। हालांकि, उसका पेल्विक एरिया छोटा था, जिससे प्रसव आसान नहीं था। संभवतः उस दौर की कोई "दाई" जन्म के समय उसकी मदद करती थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि सामाजिक सहयोग की परंपरा लाखों साल पुरानी है।

मोनोगैमी: एक ही साथी के साथ जीवन

उस दौर के पुरुषों और महिलाओं के आकार में ज्यादा अंतर नहीं था। वैज्ञानिकों के मुताबिक, उस समय पुरुष मोनोगैमस थे, यानी वे एक ही स्त्री के साथ प्रजनन करते थे। यह आदत बाद में इंसानों की सामाजिक संरचना को प्रभावित कर सकती है।

लूसी के समय के इंसान एक-दूसरे की परवाह करते थे

जोहान्सन के अनुसार, लूसी और उसकी प्रजाति को हमेशा शिकार बनने का डर रहता था। वे बड़ी बिल्लियों और लकड़बग्घों के आसान शिकार थे। लेकिन उन्होंने एक-दूसरे का साथ दिया, खासतौर पर जब कोई खतरा सामने होता था। समाज में सहयोग की मिसाल: कडानूमुऊ

इथियोपिया में वैज्ञानिकों को 36 लाख साल पुराना एक नर कंकाल मिला, जिसे 'कडानूमुऊ' नाम दिया गया। इसकी पैर की हड्डी टूटी हुई थी, लेकिन मरने से पहले यह पूरी तरह ठीक हो गई थी। जेरेमी डिसिल्वा के अनुसार, "अगर कोई साथी मदद न करे, तो बिना डॉक्टर और बैसाखी के जिंदा रहना असंभव है। कडानूमुऊ इस बात का सबूत है कि हमारे पूर्वज अपने समूह के सदस्यों को मरने के लिए नहीं छोड़ते थे।"

यह खोज यह दिखाती है कि "सामाजिक देखभाल" और "एक-दूसरे की मदद करना" इंसानों की सबसे पुरानी विशेषताओं में से एक रही है।

1. लूसी का छोटा दिमाग और दो पैरों पर चलने की कड़ी

लूसी की खोपड़ी बंदरों की तरह ही छोटी थी, और उसका दिमाग आज के इंसानों का सिर्फ एक-तिहाई था। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि वह दो पैरों पर चलती थी। इस खोज ने यह साबित कर दिया कि इंसानों ने पहले दो पैरों पर चलना सीखा और बाद में हमारा दिमाग विकसित हुआ।

2. इंसानों का पहला पूर्वज कौन?

लूसी की खोज से पहले, वैज्ञानिक मानते थे कि 'होमिनिड्स' (प्राचीन बंदर) करीब 1.5 करोड़ साल पहले इंसानों में विकसित हुए थे। उस समय रामापिथेकस नाम की प्रजाति को इंसानों का सबसे पुराना पूर्वज माना जाता था। हालांकि, वैज्ञानिकों का मानना था कि रामापिथेकस से आगे दो अलग-अलग प्रजातियां विकसित हुईं: ऑस्ट्रेलोपिथेकस अफ्रिकैनस (जो बाद में विलुप्त हो गई) होमोनिन्स (जो विकसित होकर आज के इंसानों तक पहुंची)

3. लूसी ने बदला इतिहास

जोहान्सन ने पहले लूसी को ऑस्ट्रेलोपिथेकस अफ्रिकैनस का ही हिस्सा माना था। लेकिन इथियोपिया और तंजानिया में मिली लूसी जैसी हड्डियों के आधार पर जनवरी 1979 में उन्होंने दावा किया कि लूसी इंसानों के इवोल्यूशन में एक नई प्रजाति थी।

इस नई प्रजाति का नाम रखा गया - ऑस्ट्रेलोपिथेकस अफारेंसिस।

4. रामापिथेकस से लूसी तक का सफर

पहले वैज्ञानिक मानते थे कि इंसानों का विकास 1.5 करोड़ साल पहले रामापिथेकस के समय हुआ। लेकिन लूसी की खोज से यह साफ हुआ कि इंसानों का विकास असल में 60 से 80 लाख साल पहले हुआ था। इसका मतलब यह हुआ कि रामापिथेकस की जगह ऑस्ट्रेलोपिथेकस अफारेंसिस को इंसानों का पहला पूर्वज मान लिया गया। यही वजह है कि लूसी को इंसानों की पहली ज्ञात मां कहा जाता है।

5. लूसी का सेलिब्रिटी स्टेटस

जोहान्सन के इस दावे के बाद जनवरी 1979 में टाइम मैगज़ीन ने लूसी को अपने फ्रंट पेज पर जगह दी और इसे एक "सेलिब्रिटी" बना दिया।

6. लूसी और आधुनिक इंसानों के बीच की कड़ी

2013 में इथियोपिया के हादर में 28 लाख साल पुराना जबड़ा मिला, जो किसी ज्ञात प्रजाति से मेल नहीं खाता था। इस नए जीवाश्म को नाम दिया गया – ऑस्ट्रेलोपिथेकस रोबस्टस।

इसका जबड़ा: सामने से लूसी की तरह दिखता था। पीछे से होमो सेपियंस (आधुनिक इंसानों) के पूर्वजों की तरह था। इस खोज ने इंसानों को लूसी से पूरी तरह जोड़ दिया और यह साबित कर दिया कि आज के इंसान का विकास सीधे तौर पर लूसी की प्रजाति से ही हुआ था।

लैंगिक समानता

अर्चना कुमारी

'आधी आबादी' को पूरा हक मिलना चाहिए

भारत में महिलाएं देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। यूं तो यह आधी आबादी कभी शोषण तो कभी अत्याचार के मामलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। हालांकि जब भी हम महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिए सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद जरूरी है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि देश में आधी आबादी राजनीति में अभी भी हाशिये पर है। ये स्थिति तब है, जबकि जितनी भी महिलाओं को राजनीति के निचले पायदान से ऊपरी पायदान तक जितना भी और जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमताओं का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है? वह भी तब, जब हम इस वर्ग को 'आधी आबादी' का संबोधन देते हैं।

यह बात सही है कि स्त्री शक्ति ने देश-दुनिया में समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, लेकिन महिलाओं को कमतर होने का अहसास दिलाने की पुरुष वर्ग की मानसिकता आज भी स्त्रियों को उनके हकों से वंचित कर रही है। नारी सशक्तीकरण की बातें कागजी योजनाओं में काफी अच्छी लगती हैं पर धरातल पर अभी काफी कुछ होना बाकी है। खास तौर से आधी आबादी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बराबरी का हक देने को लेकर। यह विडम्बना ही है कि विधायिकाओं में 50 फीसदी नहीं, बल्कि महज 33 फीसदी आरक्षण की सालों से चल रही मांग आज तक अधूरी ही है। पंचायत और स्थानीय निकाय स्तर पर आरक्षण से महिलाओं को मौका जरूर मिला लेकिन यहां भी कितना सशक्तीकरण नारी शक्ति का हो पाया है यह किसी से छिपा नहीं है। शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वावलंबी, ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं के विपरीत लैंगिक भेदभाव की उस तस्वीर को भी देखना होगा जहां महिलाओं को यह तक पता नहीं कि कानून ने किन-किन क्षेत्रों में उनको कितना संरक्षित कर रखा है। वहीं संसद में भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। भारत की मौजूदा जनसंख्या के अनुसार, लोकसभा में एक निर्वाचित सांसद औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं एक निर्वाचित महिला सांसद औसतन 92 लाख महिलाओं का प्रतिनिधित्व करतीं हैं। जाहिर है महिला अधिकारों और महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के दावों और उसकी वास्तविकता के मध्य एक गहरा विरोधाभास और राजनीतिक दलों का दोगलापन है।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उसमें महिलाओं की क्या स्थिति है? दुनिया की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, इसलिए जब तक उनका समुचित विकास नहीं होता कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। उनका दृढ़ विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी, जब उन्हें घर-परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। लेकिन ये सच है कि पितृसत्तात्मक मानदंडों और परम्परागत मानसिकता के चलते ऐतिहासिक रूप से भारत में महिलाओं को हाशिए पर रखा गया। आजादी के बाद भारत के संविधान ने ये व्यवस्था दी कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में पुरुषों एवं महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाएगा, लेकिन भारत में अधिकांश विधानसभाओं में महिला सदस्यों के प्रतिनिधित्व का परिदृश्य आज भी निराशाजनक है। वास्तव में भारत की आधी आबादी का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित है।

वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की ओर से जारी रिपोर्ट में भारत का नाम 146 देशों की सूची में 135वें स्थान पर रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि इन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी कम होने के पीछे प्रमुख कारण अब तक समाज में पितृसत्तात्मक ढाँचे का मौजूद होना है। हमें इस बात को समझना होगा कि पुरुषों और महिलाओं की समान भागीदारी न केवल न्याय और लोकतंत्र के लिए अहम है, बल्कि ये सुव्यवस्थित मानव अस्तित्व के लिए भी अनिवार्य है।जाहिर है, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक और प्रशासन से लेकर राजनीति तक बेटियों को अभी काफी अवसर और सुविधाएं देना बाकी है। यह काम सरकारों को भी करना है और समाज को भी।

(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जब मन अशांत हो, इष्टदेव के मंत्रों करे जप

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

संकलित

दर्शन

सफलता के लिए योजना बनाकर काम करे

जब भगवान विष्णु श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेने वाले थे। देवकी और वसुदेव कंस की कैद में थे। कंस ने देवकी-वसुदेव की 6 संतानों का वध कर दिया था। सातवीं संतान के रूप में बलराम देवकी के गर्भ में आए तो भगवान विष्णु ने योगमाया से कहा था कि आप इस सातवीं संतान को देवकी के गर्भ से निकाल कर वसुदेव जी की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दो। इसके बाद कंस को ये सूचना दी जाएगी कि सातवां गर्भ गिर गया है। योगमाया ने ऐसा ही किया। इसके बाद जब आठवीं संतान के जन्म का समय आया तो भगवान ने योगमाया से कहा कि अब मेरे अवतार लेने का समय आ गया है। जब मेरे अवतार का जन्म होगा, ठीक उसी समय आप गोकुल में यशोदा के गर्भ से जन्म लेना। वसुदेव जी कंस के कारागर से निकालकर मुझे गोकुल पहुंचाएंगे और आपको लेकर कंस के कारागार में आ जाएंगे। जब कंस आठवीं संतान को मारने के लिए आएगा तब आप मुक्त हो जाना। भगवान ने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुसार श्रीकृष्ण का अवतार हो गया। इस कथा में भगवान ने संदेश दिया है कि जब भी कोई काम करना हो तो उसकी योजना जरूर बनाएं। योजना अच्छी होगी तो सफलता जरूर मिलेगी।

संकलित

प्रेरणा

अटुकल पोंगाला उत्सव

तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार को अटुकल पोंगाला उत्सव के दौरान अटुकल भगवती मंदिर में भक्त विलाक्कुकेट्टु जुलूस में भाग लेते हुए।

आज की पाती

प्रकृति स्वरूपा है नारी ब्रह्मांड का आधार है नारी

प्रति वर्ष ८ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं की सुरक्षा के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल की सच्चाईयां बहुत ही खौफनाक हैं। महिलाओं पर जुल्म बढ़ते ही जा रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि नारी प्रकृति स्वरूपा है, नारी ब्रह्मांड का आधार है, नारी जगत जननी है, न मजबूर न समझो इसे बेचारी। सजीवन एक खूबसूरत यात्रा है। इसी यात्रा में हम संघर्ष करते हुए सदैव गतिमान रहते हैं।

-मदन बाजपेयी, भिलाई

ट्रेंड

तमिल में पाठ्यक्रम

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को भी जल्द से जल्द तमिल भाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू करना चाहिए। इससे तमिल माध्यम से पढ़ाई करने वाले छात्रों को लाभ होगा।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

विकास का दीप जलाएंगे

विगत सरकारों ने दिल्ली के हर विभाग, हर व्यवस्था को इतना बदहाल कर दिया है। हमें एक जंग लगा हुआ सिस्टम विरासत में मिला है लेकिन हम अपने बुलंद हौसलों और कर्तव्यनिष्ठा से दिन-रात काम करके दिल्ली में विकास का दीप जलाएंगे।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

महिलाओं को प्रोत्साहन

इस पहचान के लिए मैं बहुत आभारी हूँ, मैं और अधिक महिलाओं को आगे आने और अपनी यात्रा की पटकथा लिखने में यथास्थिति को चुनौती देने के लिए प्रोत्साहित करती हूँ।

-किरण मजूमदार-शॉ, उद्यमी

उम्र सिर्फ़ एक संख्या

जिस शख्स ने फिल्मों में 28 साल की उम्र में 65 साल के बुजुर्ग की भूमिका निभाई हो, और ज्यादातर अपनी उम्र से बड़े किरदारों के रोल किए हों, उसकी जवानी तो अब शुरू हुई है! उम्र सिर्फ़ एक संख्या है, मैं इसका आदर्श उदाहरण हूँ।

-अनुपम खेर, अभिनेता

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

ट्रंप ने सुनीता विलियम्स के घने बालों की प्रशंसा की

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के घने बालों की सराहना की और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों को संदेश दिया कि उन्हें जल्द धरती पर वापस लाया जाएगा। ट्रंप (78) ने अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे बुच विल्मोर और विलियम्स को पृथ्वी पर वापस लाने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत रूप से एक बचाव दल को कक्षा में भेजने की संभावना का जिक्र किया और आठ दिन के मिशन के नौ महीने तक जारी रहने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना की। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा, 'बाइडन ने उन्हें वहीं फंसा छोड़ दिया।' उन्होंने कहा, 'हमारे दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। मैंने एलन (मस्क) से कहा, 'मेरा एक काम करो। क्या तुम उन्हें बाहर निकाल कर ला सकते हो? उन्होंने कहा 'हां'। वह वहां जाने की तैयारी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि दो सप्ताह में। ट्रंप ने कहा कि मस्क अभी एक यान तैयार कर रहे हैं जो ऊपर जाएगा और उन्हें वहां से ले जाएगा।

ऑफ बीट

पुराना पीठ दर्द मस्तिष्क से होता है उत्पन्न

पुराने पीठ दर्द से पीड़ित अधिकांश लोग स्वाभाविक रूप से सोचते हैं कि उनका दर्द चोट या शरीर में अन्य समस्याओं जैसे गठिया या उभरी हुई डिस्क के कारण होता है। लेकिन हमारी शोध टीम ने पाया है कि मस्तिष्क में होने वाली प्रक्रिया के रूप में दर्द के मूल कारण के बारे में सोचने से रिकवरी को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। हम दर्द पुनर्संसाधन थेरेपी नामक एक मनोवैज्ञानिक उपचार का अध्ययन कर रहे हैं जो मस्तिष्क में अप्रभावी और अनावश्यक दर्द संकेतों को 'बंद' करने में मदद कर सकता है। पुराने समय से चला आ रहा दर्द आज सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह अमेरिका में विकलांगता का प्रमुख कारण है, और इसकी आर्थिक लागत मधुमेह या कैंसर से भी अधिक है। सबसे आम दीर्घकालिक दर्द पीठ दर्द है। कई मरीज - और डॉक्टर - पीठ की विभिन्न समस्याओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिनके बारे में उन्हें संदेह है कि यह दर्द का कारण हो सकता है। इसलिए वे हर तरह के उपचार आजमाते हैं, लेकिन अक्सर कोई फायदा नहीं होता।

राजस्थान रोडवेज की समीक्षा बैठक में सेवा सुधार और प्रशासनिक मजबूती पर जोर - अध्यक्ष

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक अध्यक्ष श्रीमती शुभ्रा सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को निगम मुख्यालय में आयोजित की गई जिसमें प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बैठक में कहा कि मैनपावर की समस्याएं, मुख्य प्रबंधकों की शक्तियों से जुड़े मुद्दे, पेंशन संबंधी चुनौतियां और अन्य प्रशासनिक बाधाएं अब काफी हद तक सुलझा ली गई हैं।

उन्होंने हाल ही में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले के दौरान रोडवेज बस चालकों और परिचालकों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की और कहा कि उनकी समर्पित सेवा से यात्रियों को सुगम आवागमन प्राप्त हुआ। उन्होंने अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपनी कार्यकुशलता को और निखारें तथा निगम को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

बैठक में प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा ने भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए निगम संचालन से जुड़े कई अहम निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निगम की सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

बैठक में अनुक्रमांक नियुक्ति शाखा के लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की गई और इनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।

वहीं विज्ञापन शाखा से जुड़े राजस्व स्रोतों, जैसे कैंटीन, स्टॉल, होटल और होर्डिंग्स से प्राप्त आय की जानकारी साझा की गई। वित्तीय और प्रशासनिक विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई जिसमें उच्च पेंशन मामलों के निस्तारण, ठेके पर लिए गए वाहनों के बिलों के समय पर भुगतान, डिपो स्तर पर अप्रयुक्त शेष राशि की स्थिति और 2024-25 के खातों के पुनर्समायोजन जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल थे। लंबित अनुपालनों को जल्द पूरा करने पर भी बल दिया गया।

बैठक के दौरान सभी संबंधित जिला अधिकारियों ने रेड क्रॉस सोसायटी कंडक्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम की स्थिति की जानकारी दी। इसके अलावा ग्रामीण परिवहन सेवा की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए इसे अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने के निर्देश दिए गए।

राज्यपाल ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जैसलमेर जिले में केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का जरुरतमंदों को लाभ पहुंचा कर उनके आर्थिक जीवन स्तर में सुधार लायें। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारियों को पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करना है ताकि विकास के नये आयाम स्थापित हो।

राज्यपाल बागडे ने शुक्रवार को जैसलमेर जिला कलक्ट्री सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं और कार्यक्रमों की अद्यतन प्रगति तथा प्राप्त उपलब्धियों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाएं बहुत ही महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल ने इस दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्वामित्व योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (जलग्रहण घटक), पुनरुत्थान वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस), सॉयल हैल्थ कार्ड योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, उद्यान विभाग की योजनाएं, नेशनल इम्यूनिजेशन प्रोग्राम (यूआईपी), शिक्षा विभाग, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री खनन श्रेत्र योजना, पशुपालन विभाग एफ एम डी सी पी-3 वैक्सीनेशन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना/ जीवन ज्योति बीमा योजना, ई-नाम परियोजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, सहित केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं में लक्ष्यों की समय पर उपलब्धि हासिल कर जरुरतमंदों को राहत प्रदान करें। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सीमावर्ती जिले में सुरक्षा का प्रभावी ढंग से पर्यवेक्षण करें एवं सम सामयिक हालातों पर विशेष नजर रखें।

प्रशासनिक सुधार विभाग की टीम द्वारा विभिन्न राजकीय कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रशासनिक सुधार विभाग की टीम ने शुक्रवार को जयपुर शहर स्थित विभिन्न राजकीय कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्मिकों की उपस्थिति जांची। नगर निगम हेरिटेज में 52 राजपत्रित अधिकारियों में से 40, उप निदेशक (क्षेत्रिय) स्थानीय निकाय विभाग में 2 राजपत्रित अधिकारियों में से 2 तथा आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण विभाग में 8 राजपत्रित अधिकारियों में से 7 अधिकारी अनुपस्थित मिले। इसी प्रकार नगर निगम हेरिटेज में 158 अराजपत्रित अधिकारियों में से 80 अधिकारी, उप निदेशक (क्षेत्रिय) स्थानीय निकाय विभाग में 4 अराजपत्रित अधिकारियों में से 3 तथा आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण विभाग में 7 अराजपत्रित अधिकारियों में से 6 अधिकारी अनुपस्थित मिले। जंतर मंतर ज्योतिष मंत्रालय विभाग में सभी 2 राजपत्रित अधिकारी उपस्थित थे तथा 8 अराजपत्रित अधिकारियों में से 6 अधिकारी उपस्थित थे।

मनरेगा ने 1 करोड 80 लाख कार्य दिवसों का रोजगार उपलब्ध कराया - ग्रामीण विकास राज्य मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र मेडता की ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक 1 करोड़ 79 लाख 92 हजार 5 सौ कार्य दिवसों का रोजगार उपलब्ध करवाया गया है तथा पारिश्रमिक का भुगतान किया गया है। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मेड़ता विधानसभा क्षेत्र की पंचायत समिति मेड़ता में 24.17 लाख एवं रियांबड़ी 18.23 लाख मानव दिवस सृजित कर रोजगार उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने कहा कि पंचायत समिति के माध्यम से वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक की अवधि का कोई भुगतान बकाया नहीं है।

इससे पहले विधायक लक्ष्मण राम के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र मेडता की ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक की अवधि में श्रमिकों को 1 करोड़ 79 लाख 92 हजार 5 सौ कार्य दिवसों का रोजगार उपलब्ध करवाया जाकर पारिश्रमिक का भुगतान किया गया है। उन्होंने वर्षवार व ग्राम पंचायतवार संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र मेडता में महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक की अवधि में ग्राम पंचायतों में करवाये गये कार्यों की संख्या व उन पर व्यय श्रम एवं सामग्री मद की राशि का वर्षवार व ग्राम पंचायतवार संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा।

क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के लाभ में रहने पर ही कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ - सहकारिता राज्य मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राज्य की क्रय-विक्रय सहकारी समितियों के लाभ में रहने पर नियमानुसार कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियां स्वायत्तशासी संस्थाएं हैं। इनमें सहकारी भर्ती बोर्ड के माध्यम से भर्तियां की जाती है तथा इनके अपने सेवा नियम हैं। उन्होंने जानकारी दी कि क्रय विक्रय सहकारी समितियों में विभिन्न वेतनमान लागू हैं। सहकारिता राज्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि समिति के स्थाई कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ देने के लिए समितियों द्वारा कुछ शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है जैसे समिति द्वारा विगत 3 वर्षों में लाभ अर्जित किया गया हो, सदस्यों को नियमानुसार लाभांश का भुगतान किया गया हो तथा गठित कोषों में समिति द्वारा आवश्यक विनिधान कर दिया गया हो, कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ दिए जाने के बाद भी संस्था हानि की स्थिति में न आये, समिति आगामी वर्षों में अपना व्यवसाय इस प्रकार बढ़ाए कि व्यवसाय में होने वाले लाभ इस व्यय हेतु पर्याप्त हो, इसके अतिरिक्त समिति द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि यह वेतन संबंधी लाभ दिए जाने के बाद वेतन एवं प्रशासनिक व्यय वर्ष के सकल लाभ के 50 फीसदी से अधिक न हो। उन्होंने कहा कि इन शर्तों को पूरा करने के बाद प्रशासनिक स्वीकृति लेकर समितियों के स्थायी कर्मचारियों को वेतनमान का लाभ दिया जा सकता है। इससे पहले विधायक गीता बरवड के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सहकारिता राज्यमंत्री ने बताया कि क्रय विक्रय सहकारी समितियों में राजस्थान सहकारी भर्ती बोर्ड के माध्यम से चयनित कार्मिकों को संतोषप्रद परिवीक्षाकाल पूर्ण करने के उपरांत संबंधित समिति में लागू वेतनमान के अनुसार वेतन दिया जाता है। उन्होंने बताया कि राज्य की क्रय विक्रय सहकारी समितियों में समान रूप से वेतनमान लागू नहीं है।

विधानसभा क्षेत्र खींवसर के औषधालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाएगा - आयुर्वेद मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आयुर्वेद मंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान विधानसभा में कहा कि खींवसर विधानसभा क्षेत्र के औषधालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाएगा। उन्होंने बताया कि कनिष्ठ आयुर्वेद नर्स व कम्पाउण्डर के 740 पदों की भर्ती के लिए विज्ञप्ति प्रकाशित की गई है। इसके अतिरिक्त परिचारक के 1 हजार 702 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु भी विभागीय प्रस्तावों के आधार पर प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा विज्ञप्ति प्रकाशित की गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद प्राथमिकता के आधार पर रिक्त पदों को भरा जाएगा। डॉ. बैरवा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र खींवसर में वित्त विभाग की स्वीकृति तथा गुणावगुण के आधार पर चिकित्साधिकारी के रिक्त पदों को नियमानुसार भरने की कार्यवाही की जाएगी। इससे पहले विधायक रेवन्तराम डांगा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र खींवसर में आयुर्वेद विभागान्तर्गत एक ब्लॉक आयुष चिकित्सालय, एक चिकित्सालय एवं 16 औषधालय संचालित हैं। उन्होंने इन चिकित्सालय व औषधालयों में स्वीकृत एवं कार्यरत सहित रिक्त पदों का संवर्गवार विवरण सदन के पटल पर रखा। डॉ. बैरवा ने विधानसभा क्षेत्र खींवसर के चिकित्सालय व औषधालयों में उपलब्ध रहने वाली औषधियां एवं विगत 3 वर्षों में आपूर्ति, वितरित औषधियों का संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा।

सात बीघा भूमि पर दो अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-11 में निजी खातेदारी की करीब 07 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जगन्नाथपुरा, तह. सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 05 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल "अयोध्या नगर" के नाम से कर बनाई गई मिट्टी, ग्रेवेल सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जगन्नाथपुरा, तह. सांगानेर, जिला जयपुर में ही करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी, ग्रेवेल सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-11 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 84 आज तक कुल 467 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24×7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल cce.jda@rajasthan.gov.in & enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण/ कब्जा/ अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत/ परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

राजकीय महाविद्यालय इटावा में रिक्त शैक्षणिक पदों को अगले एक माह में भरेंगे - उच्च शिक्षा मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने शुक्रवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि राजकीय महाविद्यालय इटावा में आचार्यों एवं सह आचार्यों के रिक्त पदों को एक माह में विद्या सम्बल के माध्यम से शीघ्र भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र पीपल्दा के राजकीय महाविद्यालय इटावा में कुल 7 पद हैं, जिसमें से 4 भरे हुए हैं।

इनमें से 2 पद विद्या सम्बल के माध्यम से भरे हुए हैं। उच्च शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा भर्ती के बाद पूरे प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक पदों को यथासंभव भरा जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यव्यवस्था के तहत आचार्यों एवं सह आचार्यों को डेप्युटेशन पर अन्यत्र लगाए जाने का प्रावधान है।

इससे पहले विधायक चेतन पटेल कोलाना के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री ने राजकीय महाविद्यालय, इटावा में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विस्तृत विवरण सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग से चयनित अभ्यर्थी उपलब्ध होने, पदोन्नति तथा अनुकम्पा नियुक्ति पश्चात रिक्त पदों को यथासम्भव नियमानुसार भरा जा सकेगा।

डॉ. बैरवा ने कहा कि राजकीय महाविद्यालय ईटावा के दो सहायक आचार्यों को कार्यव्यवस्थार्थ शिक्षकों की कमी के कारण अन्यत्र स्थान पर लगाया गया था। कार्य व्यवस्थार्थ लगाये जाने के आदेश वर्तमान में यथावत है। उन्होंने कहा कि राजकीय महाविद्यालय ईटावा में विज्ञान संकाय खोले जाने का वर्तमान में कोई प्रस्तांव विभाग में विचाराधीन नही है।

बारां में फर्जी पट्टों के प्रकरण में दोषी पाए जाने पर सम्बंधित के विरुद्ध विधिनुसार कार्रवाई की जाएगी - स्वायत्त शासन राज्यमंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि नगर परिषद बारां द्वारा जारी किये गए फर्जी पट्टों के प्रकरणों की जाँच प्रक्रियाधीन है। जांच में दोषी पाए जाने पर सम्बंधित अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध विधिनुसार कार्रवाई की जाएगी। स्वायत्त शासन राज्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि नगर परिषद बारां में वर्ष 2021 से 2024 तक विभिन्न श्रेणी में कुल 1 हजार 448 पट्टे जारी किये गये। इस अवधि में जारी 166.66 वर्ग गज के 4 फर्जी पट्टों का तथ्य संज्ञान में आने पर नगर परिषद् द्वारा कार्यवाही की गई एवं इन पट्टों को राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 73 ख के तहत बोर्ड को प्राप्त अधिकारों के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए निरस्त कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इन पट्टों को निरस्त करने के सम्बन्ध में आमजन के सूचनार्थ 10 नवम्बर, 2022 को एक दैनिक समाचार पत्र में सार्वजनिक सूचना भी प्रकाशित करवा दी गई थी। आम नागरिकों द्वारा इन फर्जी पट्टों के विरूद्ध 2 प्रकरण दर्ज करवाये गये। जिन पर राज्य सरकार द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। इससे पहले विधायक कंवरलाल के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में स्वायत्त शासन राज्यमंत्री ने बताया कि नगर परिषद बारां में वर्ष 2021 से 2024 तक जारी कुल 1448 पट्टों में से स्टेट ग्रांट के कुल 82 पट्टे, 69-ए के 829 पट्टे, कच्ची बस्ती के 90 पट्टे एवं राजकीय भूमि नियमन के 447 पट्टे जारी किये गए। उन्होंने बताया कि दर्ज 2 प्रकरणों में से प्रकरण संख्या 509/2024 में क्षेत्रीय उप निदेशक, स्थानीय निकाय विभाग कोटा से जांच करवाई गई और जांच अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन अधिकारी /कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनिक कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इसी प्रकार दूसरे प्रकरण संख्या 12/2025 में जिला कलेक्टर, बारां से जांच करवाई जा रही है, जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आगामी 6 माह में भरतपुर फीडर के विस्तार की डीपीआर तैयार किया जाना प्रस्तावित - जल संसाधन मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि भरतपुर फीडर का विस्तार करते हुए जघीना एवं जाटोली रतभान माइनरों को इसमें जोड़े जाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा डीपीआर की स्वीकृति जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आगामी 6 माह में डीपीआर तैयार किया जाना प्रस्तावित है। जल संसाधन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भरतपुर फीडर का विस्तार के बाद जघीना माइनर से 4,978 हेक्टेयर एवं जाटोली रतभान माइनर से 4,606 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

इसके अंतर्गत तहसील भरतपुर एवं रारह के विभिन्न ग्राम लाभान्वित हो सकेंगे। इससे पहले विधायक डॉ. शैलेश सिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जल संसाधन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा जिला प्रशासन को वर्ष 2024 मानसून के दौरान जल भराव की समस्या के निदान हेतु निर्देश दिये गये। इसकी पालना में जल भराव से प्रभावित क्षेत्र एवं भरतपुर फीडर के कमाण्ड को सम्मिलित करते हुए डीपीआर तैयार किये जाने हेतु प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि इस डीपीआर में भरतपुर फीडर के कार्य अंतर्गत जघीना एवं जाटोली रतभान माइनरों को जोड़ा जाना भी सम्मिलित है। डीपीआर तैयार किये जाने हेतु प्राप्त प्रस्तावों को SOP के बिन्द संख्या 6 अन्तर्गत समिति द्वारा 6 मार्च, 2025 को स्वीकृत कर दिया गया है।

सूरतगढ़ में 413 गांव और 25 ढाणियों को लाभान्वित करने के लिए 98 योजनाएं स्वीकृत - जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 481 आबाद ग्रामों तथा 50 चिह्नित ढ़ाणियों में से 413 गांवों तथा 25 ढाणियों को जल जीवन मिशन के अन्तर्गत लाभान्वित किया गया है। उन्होंने बताया कि इन गांव, ढाणियों तक जल पहुंचाने के लिए राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति द्वारा लगभग 98 योजनाओं की स्वीकृतियां जारी की गई हैं। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए स्वीकृत 98 जल योजनाओं में से 35 जल योजनाएँ पूर्ण की जा चुकी हैं। इनका मुख्य जल स्रोत इंदिरा गांधी नहर प्रणाली तथा भाखड़ा नहर प्रणाली पर आधारित है। शेष रही 61 जल योजनाओं का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है तथा 2 योजनाओं की निविदा सक्षम स्तर पर अनुमोदन के लिए प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि 481 आबाद ग्रामों में से शेष 67 ग्रामों को जल जीवन मिशन के नए दिशानिर्देशों के तहत लाभान्वित किया जाना तकनीकी रूप से फिजिबल नहीं है तथा 1 ग्राम विद्त संयंत्र कॉलोनी सूरतगढ़ के माध्यम से लाभान्वित है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ की 50 चिह्नित ढाणियों में से 25 ढाणियां ग्राम की मूल आबादी के समीप होने के कारण विभिन्न विभागीय जल योजनाओं के अंतर्गत घर-घर जल संबंधों द्वारा लाभान्वित हैं।

शेष 25 ढाणियों की आबादी बिखरी,एकल घर,खेतों में बसे होने के कारण इनको लाभान्वित किया जाना तकनीकी रूप से फिजीबल नहीं है। इससे पहले विधायक डूंगरराम गेदर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ में जनवरी 2023 से दिसम्बर 2024 तक की अवधि में विभाग द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत किसी भी कार्य की स्वीकृति जारी नहीं की गई।

जल जीवन मिशन के अतिरिक्त अन्य विभागीय योजनाओं में कुल 17 कार्यों की राशि रूपये 452.42 लाख की स्वीकृतियां जारी की गई। उन्होंने बताया कि स्वीकृत समस्त 17 कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। उन्होंने इन कार्यों का विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने कहा कि विधान सभा क्षेत्र सूरतगढ़ में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत स्वीकृत 17 विभिन्न जल योजनाओं में जनवरी 2023 से दिसम्बर 2024 तक की अवधि में कुल 19 उच्च जलाशयों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। उन्होंने योजनावार विवरण सदन के पटल पर रखा।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि उक्त विधानसभा क्षेत्र में माह जनवरी, 2023 से दिसम्बर, 2024 तक जल जीवन मिशन योजना के तहत किसी भी ढाणी में जल संबंध जारी नहीं किये गये हैं। जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ के विभिन्न ग्रामों में माह जनवरी 2023 से दिसम्बर 2024 तक की अवधि में कुल 20 हजार 614 जल संबंध जारी किये गये हैं। उन्होंने ग्रामवार विवरण सदन के पटल पर रखा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दी शुभकामनाएं

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर प्रदेश की सभी माताओं, बहनों और बेटियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि यह दिन महिलाओं के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान देने का अवसर है। महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलंबन और सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह संकल्पित है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने के लिए महिलाओं की सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं। जिससे प्रदेश की लाखों महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है और वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही हैं। इन योजनाओं का महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए बजट 2025-26 में कई विशेष प्रावधान किए गए हैं। सरकार महिलाओं को हर क्षेत्र में समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर राज्य और देश की प्रगति में भागीदार बन सकें। उन्होंने कहा कि एक सशक्त महिला ही सशक्त परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्यपाल की शुभकामनाएं

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर नारी शक्ति को नमन करते हुए महिला दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा है कि वही समाज सर्वांगीण विकास करता है, जहां महिलाओं को आगे बढ़ने के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध होते हैं। बागडे ने कहा है कि महिलाएं आज जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता के नए कीर्तिमान रच रही हैं। उन्होंने महिला दिवस पर नारी सशक्तीकरण के लिए सभी स्तरों पर प्रयास कर बालिकाओं और स्त्रियों की बेहतरी के लिए वातावरण निर्माण का आह्वान किया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जिला कलक्टर की जनसुनवाई, समस्याओं का मौके पर किया निस्तारण

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने शुक्रवार को छबड़ा उपखंड के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। अटल जनसेवा शिविर के तहत उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और मौके पर ही समाधान किया।

जिला कलक्टर ने ग्राम पंचायत खोपर (छबड़ा) में चल रहे फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को सभी जरूरी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

ग्राम पंचायत झरखेड़ी (छबड़ा) में कलक्टर ने जनसुनवाई कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने अतिक्रमण, सड़क, बिजली, पानी, खाद्य सुरक्षा, पेंशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्याएं रखीं। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। कलक्टर ने मौके पर ही कुछ शिकायतों का निस्तारण करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने मनरेगा कार्यों का निरीक्षण कर श्रमिकों से बातचीत की।

जिला कलक्टर ने झरखेड़ी में गेहूं और सरसों की फसल कटाई का निरीक्षण किया और किसानों से उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा की। उन्होंने अफीम चीरा कार्य का भी निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र और उचित मूल्य दुकान का जायजा:- जिला कलक्टर ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय झरखेड़ी का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और मिड-डे मील की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने स्वास्थ्य उपकेंद्र झरखेड़ी और झरखेड़ी उचित मूल्य दुकान का भी निरीक्षण किया और आवश्यक सुधारों के निर्देश दिए।

कलक्टर ने पीएम जनमन आवास योजना के तहत निर्माण कार्यों की समीक्षा की और लाभार्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। इसके अलावा, उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर पोषण संबंधी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी योजनाओं को समय पर और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, ताकि ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

माहे रमजान के पहले जुम्मे में नमाजियों का मस्जिदों में जनसैलाब

-बच्चियों ने घरों में, बच्चों ने मस्जिदों में पढ़ी नमाज, छोटे पड़े शमियाने

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। रहमतों व बरकतों के महीने में शुक्रवार शहर ए जोधपुर की बड़ी ईदगाह मस्जिद सहित तमाम मस्जिदों व इबादतगाहों में रमजान के पहले जुम्मे की नमाज अदा की गई। हर मस्जिद में माहे रमजान के पहले जुम्मे की नमाज अदा करने के लिये शहर ए जोधपुर के नमाजियों का जनसैलाब उमड़ा पड़ा कि मस्जिदों में लगाये शमियाने छोटे पड़ गये। बड़ी ईदगाह मस्जिद के खतीब व पेश इमाम मौलाना मोहम्मद हुसैन अशरफी अशफाकी ने रमजान में जुम्मे के दिन व जुम्मे की नमाज की नेकियों के बारे में बताया तो नमाजियों की आंखे आंसुओं से नम हो गई, क्योंकि की हर नमाजी के दिल में था कि क्या इस मुबारक व नेमअतों के महिने रमजान में अल्लाह तआला उनकी इबादतों के बदले उनके गुनाहों की माफी कबुल करेगा। प्रवक्ता शौकत अली लोहिया ने बताया कि ईद जैसे माहौल में माहे रमजान के पहले जुम्मे की नमाज को निहायत अदब ओ एहतराम के साथ अदा की गई। नमाज को अदा करने के लिये नमाजियों ने सुबह जल्दी से ही तैयारियां शुरू कर दी। मस्जिदों व इबादतगाहों में नमाजियों के खास इन्तजाम किये गये। जालोरी गेट बडी ईदगाह, खेतानाड़ी ईदगाह, बम्बा बडी व छोटी मस्जिद, उदयमंदिर, आसन, नागौरी गेट, चीरघर, सिवांची गेट, लाखरान सहित सैकड़ों मस्जिदों में नमाजियों की तादाद देखने लायक थी। अजान की आवाज के साथ ही नमाजी घरों व अपने-अपने काम-काज छोड़कर मस्जिद की ओर रूख कर लिया और देखते-देखते मस्जिदें नमाजियों से भर गई। जुम्मे की नमाज के बाद रोजेदारों ने जुम्मे की रेहमतों और बरकतों वाले दिन की अहमियत जानकर परवारदिगार से रो-रो कर अपने गुनाहों की तौबा की। जुम्मे को कई बच्चों ने पहली बार रमजान का रोजा रखा, इन रोजेदार बच्चों में एक अलग उत्साह नजर आ रहा था। मस्जिदों के इमामों ने देश में अमन-चौन व आपसी मुहब्बत के लिए, खुशियों के लिए अल्लाह से नेअमतों व बरकतों की दुआ की। बच्चियों ने घरों में तो बच्चों ने मस्जिदों में नमाज अदा की और नमाज के बाद सभी ने गले मिलकर एक-दूसरे को रमजान के मुबारक महिने के पहले जुम्मा की मुबारकबाद पेश की। रमजान रहमतों व बरकतों का महिना - मौलाना मोहम्मद हुसैन अशरफी अशफाकी माहे रमजान के रोजे इस्लाम का पांचवां रूक्न है। रोजों की बड़ी अहमियत व फजीलत अहदीस में बताई गई है। रमजान का महीना आते ही रहमत के सारे दरवाजे खोल दिये जाते है और जहन्नुम के दरवाजों को बन्द कर दिया जाता है। शैतानों को जंजीरों में बांध दिया जाता है।

जिले में फार्मर रजिस्ट्री शिविर जारी, किसानों को मिले डिजिटल कार्ड

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर के मार्गदर्शन में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए से फार्मर आईडी पंजीकरण ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है। एग्रीस्टेक योजना के तहत आयोजित इन शिविरों में किसानों के फार्मर आईडी कार्ड बनाकर वितरित किए जा रहे हैं। किसानों को सशक्त करने के लिए उन्हें डिजिटल रूप से सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। राजस्थान के किसानों की पहचान अब 11 अंको की यूनिक आईडी से होगी। इस फार्मर आईडी के जरिए किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में आसानी होगी। यह फार्मर रजिस्ट्री केंद्र सरकार द्वारा संचालित एग्रीस्टैक योजना के तहत बनाई जा रही हैं। जिले में फार्मर रजिस्ट्री शिविरों में किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। एडीएम दिवांशु शर्मा ने बताया कि 6 से 8 मार्च तक बारां में क्रमशः ग्राम पंचायत इकलेरा, बटावदा, कोटडी सुण्डा, नारेड़ा, मांगरोल में ईश्वरपुरा, शाहपुरा, महुआ, किशनगंज में सकरावदा, कांकड़दा, घट्टी, परानियां, अंता में भोज्याखेड़ी, सोरसन, काचरी, पाटोन्दा, छबड़ा में पाली, खोपर, भूलोन, गुगोर, छीपाबड़ौद में कचनारियाकलां, कुभाखेड़ी, खेड़लाजागीर, देवरीजोध, अटरु में बमोरी, खरखड़ा रामलोथान, कुण्ड़ी, शेरगढ़, में एवं 10 से 12 मार्च तक बारां में क्रमशः ग्राम पंचायत बड़ा, तुलसां, बामला, सुन्दलक, अंता में जयनगर, पलसावा, सोरखण्ड़कलां, नियाना, छबड़ा में भीलवाड़ानीचा, बापचा, तीतरखेड़ी, तेलनी, छीपाबड़ौद में दीगोदजागीर, मौखमपुरा, भावपुरा, राई, अटरु में बरला, ननावता, भैंसड़ा, खुरी, किशनगंज खल्दा, छतरगंज, रेलावन, सोभागपुरा व भंवरगढ़ में फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

समाज के कमजोर वर्गों को देवें ऋणों में प्राथमिकता : जिला कलक्टर रामावतार मीणा

झुंझुनू, (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला परामर्श समिति की तिमाही बैठक का आयोजन शुक्रवार को जिला कलक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में कलक्टर सभागार में किया गया। जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष की 9547 करोड़ वार्षिक साख योजना से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों और समाज के कमजोर वर्गों जिसमे किसानों, महिलाओं, बेरोजगारों, स्ट्रीट वेंडर्स के उथान के लिये महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। जिला कलक्टर ने इन्हें प्राथमिकता से ऋण उपलब्ध करवाने की बात कही। जिला कलक्टर ने मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में झुंझुनूं जिले में बैंको द्वारा सर्वाधिक ऋण वितरण करने पर अंतराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 पर राज्य स्तर पर सम्मानित होने पर सभी बैंकर्स को बधाई दी। बैठक के दौरान अग्रणी जिला प्रबंधक गोपाल प्रसाद ने दिसंबर 2024 तक के वार्षिक साख योजना के लक्ष्य की प्राप्ति, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रा, बीसी कार्यप्रणाली से अवगत करवाया । उन्होंने बैंकों को जमा और ऋण प्रवाह बढ़ाने, वित्तीय साक्षरता, एमएसएम ऋण बढ़ाने पर बल दिया। जिसमे सभी बैंकों एवं विभागों का पूर्ण सहयोग मिला । भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधक अक्षय गुंबर ने सभी बैंकों को वित्तीय साक्षरता समावेशन, सामाजिक सुरक्षा योजना तथा वित्तीय साक्षरता के प्रसार के लिए बैंकों को अभियान मोड में कार्य करने आग्रह किया। भारतीय स्टेट बैंक,बैंक ऑफ़ बडौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, पीएनबी, यूको ,आईसीआईसीआई, आईडीबीआई, यस बैंक को ऋण जमा अनुपात को मार्च 2025 तक राष्ट्रीय स्तर 80 प्रतिशत से अधिक करने का सुझाव दिया। बैठक में बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक कर्मजीत सिंह, भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक बनवारी लाल मीणा, बीआरकेजीबी के आरएम सज्जन सिहाग, भारतीय रिजर्व बैंक के अग्रणी जिला अधिकारी अक्षय गुंबर, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक नानूराम गहनोलिया, महिला अधिकारिता विभाग के उप-निदेशक विप्लव न्यौला, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पुनिया के अतिरिक्त विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयकों एवं सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने गंगापुर सिटी उपखण्ड के विभिन्न कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर शुभम चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता शुक्रवार को गंगापुर सिटी उपखण्ड के दौरे पर रही। उन्होंने उपखण्ड कार्यालय, तहसील कार्यालय, थाना कोतवाली का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाएं जांची। साथ ही रमजान, होली, रामनवमीं, ईद एवं आगामी त्यौहार पर सुरक्षा की दृष्टि से बालाजी चौक, खारी बाजार, सुभाष बाजार, नेहरू पार्क रोड़, ईदगाह चौराहा, ट्रक यूनियन का आकस्मिक निरीक्षण कर अतिक्रमण, ट्राफिक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण दौरान जिला कलक्टर ने उपखण्ड कार्यालय गंगापुर सिटी की विभिन्न शाखाओं में संपादित किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रगति रिपोर्ट ली। साथ ही प्रभारी अधिकारी को फाइलों का उचित प्रबंधन रखने तथा समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े प्रकरणों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी ना तथा उचित प्रबंधन व कार्य कुशलता के साथ आमजन को समय पर राहत प्रदान किया जाए। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देशित किया कि कोर्ट केस में लंबी-लंबी डेट्स ना देकर केस का समय पर निपटारा करें एवं अपने अधीनस्थ कार्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार के राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरणों की फाईलों की जांच कर 10 वर्ष से अधिक लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार को दिए। इस दौरान उन्होंने मर्ग रजिस्टर, दावा दरकास, अपील रजिस्टर, हथियार पंजिका, सूचना का अधिकार रजिस्टर, सतर्कता सहित पुराने पत्रावलियां देखी। उन्होंने लेण्ड कनवर्जन के प्रकरणों का 45 दिवस में निस्तारण करने, रास्तों के विवाद, सीमाज्ञान, इजराय, चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने तथा न्यायालयों, लोकायुक्त, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रकरणों में जवाबनामा समय पर भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एलआर एक्ट में राजस्व वसूली करने, आंतरिक लेखा जांच दल के आक्षेपों में संबंधित कार्मिक से रिकवरी करने के निर्देश दिए।

तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण:- जिला कलक्टर ने तहसील कार्यालय गंगापुर सिटी का निरीक्षण कर तहसीलदार से गत वर्ष की राजस्व अर्जन के संबंध में जानकारी प्राप्त कर लंबित राजस्व प्रकरणों का जल्द से जल्द निस्तारण करते हुए आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कार्यालय में साफ़-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ-साथ व्यवस्थित रूप से कार्यालय का प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक रास्तों के सीमांकन एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पटवारी, गिरदावर एवं अन्य राजस्व कर्मचारियों को निर्देशित कर फार्मर रजिस्ट्री शिविर एवं ई-गिरदावरी कार्य में तेजी लाने के निर्देश उपखण्ड अधिकारी को दिए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा, एसीएम बृजेन्द्र मीणा, तहसीलदार बृजेश कुमार शिहरा सहित कार्यालय के कार्मिक उपस्थित रहे।

कार्यालय समय में ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण

- कई विभागों में कार्मिक अनुपस्थित

बारां, (रॉयल पत्रिका)। एडीएम शाहबाद जबर सिंह, तहसीलदार एवं कार्यवाहक उपखंड अधिकारी शाहाबाद द्वारा शुक्रवार को ब्लॉक स्तरीय विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई कार्यालयों में कार्मिक अनुपस्थित पाए गए, जबकि कुछ कार्यालयों में ताले लटके मिले।

कार्मिक अनुपस्थित पाए गए

पंचायत समिति शाहाबाद में विकास अधिकारी के अलावा सभी कार्मिक अनुपस्थित, मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में केवल एक सहायक कर्मचारी उपस्थित, महिला एवं बाल विकास विभाग में केवल एक बाबू कार्यालय में उपस्थित, स्वच्छ परियोजना कार्यालय में 14 में से 6 कार्मिक अनुपस्थित, सहायक अभियंता, जेवीवीएनएल शाहबाद में 9 में से 8 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए।

ताले लगे पाए गए कार्यालय

ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, ग्रामोदय राजीविका महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समिति लि०, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी कार्यालय, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, सहराना बस्ती, सहायक कृषि अधिकारी कार्यालय, सहायक अभियंता एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी कार्यालय में ताले लगे पाए गए। उक्त निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे कार्यालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आपसी भाई चारे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए आगामी त्यौहार: जिला कलक्टर

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में आगामी दिनों में होली, रामनवमी एवं ईद का त्यौहार आपसी भाई-चारे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने एवं त्यौहारों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट शुभम चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को कोतवाली थाना परिसर गंगापुर सिटी एवं कलेक्ट्रेट सभागार सवाई माधोपुर में शांति समिति के सदस्यों, प्रबुद्धजनों एवं विभिन्न संगठनों की बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने गंगापुर सिटी एवं सवाई माधोपुर में सभी सदस्यों से आह्वान किया कि सभी पर्व और त्यौहार शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाते हुए सामाजिक समरसता की मिसाल पेश करें और जिला प्रशासन को पूरा सहयोग दें। उन्होंने सभी लोगों से कहा कि सवाई माधोपुर एक शांतिप्रिय शहर है, हमारा कर्तव्य है कि शहर में आगामी पर्वो का सौहार्द्रपूर्ण आयोजन हो और सकारात्मक संदेश जाए। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से कहा कि युवा पीढ़ी को समझाए कि वह सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट न करें। उन्होंने बैठक में पहुंचे सदस्यों से सुझाव भी लिए और प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग हेतु आश्वस्त किया।

उन्होंने गंगापुर सिटी में सांय 5 से 7 तक जामा मस्जिद के पास ट्रेफिक कन्ट्रोल के लिए 4 ट्रेफिक पुलिस कर्मी नियुक्त करने के निर्देश अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गंगापुर सिटी राकेश राजोरा को दिए है। वहीं आगामी त्यौहारों होली व ईद के मध्यनजर नालियों व प्रमुख चौराहों पर साफ-सफाई व्यवस्था दुरस्त रखने के निर्देश नगर परिषद आयुक्त को प्रदान किए है। इसके साथ ही उन्होंने गंगापुर सिटी में मुख्य मार्गो से अतिक्रमण हटवाने, रोड़ लाईटों को सुचारू करने, पार्किंग व्यवस्था दुरस्त करवाने, सीवरेज लाईनों की सफाई करवाने के साथ-साथ पेयजल की नियमित सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश एसडीएम को प्रदान किए। उन्होंने कहा कि होली के त्यौहार पर राहगीरों विशेष तौर पर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा का ध्यान रखा जाए और अनावश्यक किसी पर भी रंग नहीं डाले।

आपत्तिजनक पोस्ट की दें पुलिस को जानकारी:- जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने कहा कि किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट आदि के बारे में तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचित करें, संबंधित पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। आसामाजिक तत्वों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी लोग अपने आसपास के युवाओं की गतिविधियों पर नजर व नियंत्रण रखें और उन्हें किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि में शामिल नहीं रहने के लिए कहें। गलत सूचनाओं, संदेशों, पोस्ट को फॉरवर्ड नहीं करें। किसी भी परिस्थिति में शांति एवं धैर्य बनाए रखें। उन्होंने बैठक में कानून व्यवस्था को लेकर कई अहम बिंदुओं पर सभी से चर्चा की और कहा कि शहर में शांतिपूर्ण ढंग से आयोजनों की परिपाटी को बरकरार रखें।

शांति एवं सद्भाव के लिए जाहिर की अपनी प्रतिबद्धता:- इस दौरान मौजूद समिति सदस्यों ने आश्वस्त किया कि सवाई माधोपुर का आपसी भाईचारा हमेशा बना रहेगा। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सवाई माधोपुर की मिट्टी में यह बात है कि सभी मिलकर सारे त्योहार मनाते हैं। यहां का सांप्रदायिक सद्भाव हमारी ताकत है। बैठक में जिलेभर से आए प्रतिनिधियों ने शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

इस दौरान उपस्थित सदस्यों द्वारा त्यौहार के अवसर पर जिले में यातायात संबंधी समस्या से प्रशासन को अवगत कराया जिस पर जिला पुलिस अधीक्षक ने यातायात प्रबंधन हेतु पर्याप्त पुलिस जाप्ता लगाने का आश्वासन दिया।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, उपखण्ड अधिकारी अनूप सिंह, नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा सहित शांति समिति सदस्य, प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

द्रेश छतलानी 'इंडिया स्टार ऑफ द ईयर 2025' से सम्मानित

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के शोधकर्ता और शिक्षाविद तथा साहित्यकार डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी को उनके उल्लेखनीय शोध और साहित्यिक योगदान के लिए 'इंडिया स्टार ऑफ द ईयर 2025' सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें दिल्ली के पीआरए फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें भारतीय शिक्षा, अनुसंधान और साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

डॉ. छतलानी ने इस अवसर पर कहा, "यह सम्मान न केवल मेरा, बल्कि मेरे विश्वविद्यालय और मेरे सभी वरिष्ठ व सहयोगियों का है, जिन्होंने हमेशा मुझे प्रेरित किया।" उनकी इस उपलब्धि पर सभी ने हर्ष व्यक्त किया और उन्हें शुभकामनाएँ दीं। डॉ. चंद्रेश ने 15 पुस्तकें लिखी हैं, 10 पुस्तकों का संपादन किया है। उनके नाम सात रिकॉर्ड भी दर्ज हैं।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में गीतांजली हॉस्पिटल में 'पिंक टॉक' का भव्य आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महिला दिवस के अवसर पर गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस विशेष आयोजन में महिलाओं से संबंधित स्वास्थ्य विषयों पर गहन चर्चा की गई, जिसमें गीतांजली हॉस्पिटल की वरिष्ठ महिला चिकित्सकों कार्यक्रम के दौरान डॉ. रेणु मिश्रा और डॉ. सुषमा मोगरी द्वारा विशेष "पिंक टॉक" का आयोजन किया गया| जिसमें महिलाओं से जुड़े विभिन्न स्वास्थ्य विषयों और रोगों पर खुले मंच में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें 300 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सराहना प्राप्त की। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने शी सर्कल इंडिया द्वारा आयोजित वूमन्स डे कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर आयोजित भव्य अवॉर्ड सेरेमनी में मुख्य अतिथि महाराज कुंवरानी साहिबा निवृत्ति कुमारी जी मेवाड़ (उदयपुर), श्रीमती दीप्ति महेश्वरी (विधायक, राजसमंद) और श्रीमती डॉ. राजनी रावत (वनवासी कल्याण आश्रम, सांसद मन्ना लाल जी रावत की पत्नी) ने महिला चिकित्सकों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर गीतांजली मेडिकल कॉलेज से डीन डॉ. संगीता गुप्ता, एडिशनल प्रिंसिपल डॉ. मंजींदर कौर, डीन नर्सिंग डॉ. विजयम्मा अजमेरा, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रेणु मिश्रा, स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजना वर्मा, डॉ. नलिनी शर्मा, डॉ. सुषमा मोगरी, गीतांजली डेंटल कॉलेज से डॉ. ज्योति कुंडू प्रतिष्ठित महिला चिकित्सकों को चिकित्सा जगत में अपने अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक गीतांजली हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड कल्पेश चंद रजबार रहे| यह आयोजन महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा। गीतांजली हॉस्पिटल निरंतर इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य और जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम का संचालन हरलीन गंभीर द्वारा किया गया|

राज्य स्तर पर सम्मानित होंगे जिला कलेक्टर रामावतार मीणा

झुंझुनूं,(रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग की पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (सर्वाधिक ऋण आवेदन एवं राशि स्वीकृत करने वाले जिलाधिकारी) के लिए झुंझुनूं जिला कलेक्टर रामावतार मीणा को सम्मानित किया जाएगा।

महिला अधिकारिता विभाग के आयुक्त ने बताया कि यह सम्मान अन्तर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के अन्तर्गत 08 मार्च, 2025 को जयपुर के बिडला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह के दौरान दिया जाएगा।

जिला कलेक्टर रामावतार मीणा के साथ ही राज्य स्तरीय समारोह में महिला अधिकारिता विभाग झुंझुनू के उपनिदेशक विप्लव न्यौला, अग्रनी जिला प्रबंधक गोपाल प्रसाद, एवं बीआरकेजीबी बैंक के शेर सिंह को भी सम्मानित किया जाएगा।

गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स ने एमएस धोनी और साक्षी सिंह धोनी के साथ मिलकर

बनाया 'ट्रस्ट' का नया प्रतीक

मुंबई एजेंसी। ग्रीन ब्यूटी के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर और हेयर कलर में इंडिया-फर्स्ट इनोवेशन करने वाली कंपनी, गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स, ने भारतीय क्रिकेट के आइडल महेंद्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी सिंह धोनी के साथ अपने सहयोग की घोषणा की है। यह कैम्पेन भारत के सबसे भरोसेमंद ब्रांड गार्नियर के साथ हेयर कलर्स में विश्वास स्थापित करने में नई राह खोलेगा। जिस तरह धोनी ने अपने प्रशंसकों का दिल जीता है, फिर बात उनके अडिग नेतृत्व की हो, बेबाक बातचीत की हो या हमेशा बदलते लुक की। प्रशंसकों को पूरा भरोसा है कि धोनी हर समय सही निर्णय लेते हैं। इसी तरह गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स भी एक दशक से अधिक समय से लाखों भारतीयों के जीवन को प्रभावित कर रहा है और उनके प्राकृतिक दिखने वाले हेयर कलर का राज बन चुका है। यह कैम्पेन भारत के दो सबसे भरोसेमंद ब्रांड - धोनी और गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स - को एक साथ लाकर ट्रस्ट का नया बैज तैयार करने का प्रतीक है।

इस मजेदार टीवी कमर्शियल में यह पॉवर कपल यह स्थापित करता दिखाई देता है कि कैसे पांच शानदार शेड्स वाला गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स भरोसेमंद बदलाव के लिए उनका पसंदीदा हेयर कलर ब्रांड है। इसकी शुरुआत साक्षी को उसके खूबसूरत बालों के राज के बारे में मजाकिया अंदाज में धोनी के चिढ़ाने से होती है। जब साक्षी आत्मविश्वास से बताती है कि उसने भारत के सबसे भरोसेमंद हेयर कलर ब्रांड को क्यों चुना, तो वह आखिरकार उसके फैसले पर भरोसा करते हैं, जिसके बाद हेयर कलरिंग का एक साझा पल आता है। विज्ञापन क्रिकेट में डीआरएस के लिए प्रतिष्ठित टी-जेस्चर की ओर इशारा करते हुए आगे बढ़ता है, जिसे लोग धोनी रिव्यू सिस्टम भी कहते थे। इसकी वजह थी- रिव्यू लेने में उनकी सटीकता। ज्यादातर परिणाम उनके पक्ष में ही आता था। इससे प्रशंसकों का उन पर भरोसा और बढ़ जाता था। धोनी और साक्षी अब गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स के अपने विज्ञापन के साथ हेयर कलर में ट्रस्ट का नया प्रतीक बना रहे हैं।

विकसित भारत के लिए श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना जरूरी है। केंद्रीय श्रम सचिव सुमिता डावरा का कहना है कि 2047 तक कार्यबल में 70 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। भविष्य में ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें महिलाओं की भागीदारी की काफी संभावनाएं हैं। डावरा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत महिलाओं के लिए शिक्षा की पहुंच को आसान और व्यापक बनाने का भी सुझाव दिया। केंद्रीय श्रम सचिव सुमिता डावरा ने कहा कि महिला उद्यमियों के लिए उद्यम पूंजी सहायता बहुत महत्वपूर्ण है। महिलाओं को नेतृत्व और निर्णय लेने वाली भूमिकाओं के लिए मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए, जहां आवश्यकता है, वहां महिलाओं के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करना चाहिए।

महिलाओं के आगे हैं चुनौतियां

डावरा ने सेवा क्षेत्र में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे पूर्वाग्रह हो सकते हैं, जो उन्हें कार्यबल में प्रवेश करने से रोकते हैं। नेतृत्व की भूमिकाओं में भी वेतन असमानताएं हो सकती हैं, नौकरी की सुरक्षा संबंधी चिंताएं और घरेलू और पेशेवर जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाने जैसे मुद्दे हो सकते हैं।

एचपीसीएल और टाटा मोटर्स ने कमर्शियल गाड़ियों की परफॉर्मेंस बढ़ाने के लिए जेन्युन डीईएफ लॉन्च किया

मुंबई एजेंसी। महारत्न तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और भारत की बड़ी कमर्शियल गाड़ियों की निर्माता टाटा मोटर्स ने मिलकर को-ब्रांडेड जेन्युन डीजल एग्जॉस्ट फ्लूड (डीईएफ) लॉन्च किया है। यह खास फ्लूड डीजल गाड़ियों के कार्बन उत्सर्जन को कम करने, परफॉर्मेंस बेहतर बनाने और इंजन की एफिशिएंसी बढ़ाने में मदद करेगा। बीआईएस से मान्यता प्राप्त फैक्ट्रियों में तैयार यह हाई-क्वालिटी डीईएफ इंडस्ट्री के उच्च मानकों का पालन करता है। इसे एचपीसीएल के 23,000 पेट्रोल पंपों के जरिए पूरे देश में उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि ग्राहकों को आसानी से और बिना किसी परेशानी के यह प्रॉडक्ट मिल सके। डीईएफ बीएस-6 मानकों वाली डीजल गाड़ियों के लिए एक जरूरी लिक्विड है। यह गाड़ियों से निकलने वाले

हानिकारक नाइट्रोजन ऑक्साइड को सुरक्षित नाइट्रोजन और पानी में बदलकर प्रदूषण कम करने में मदद करता है।

टाटा मोटर्स के ग्राहक इस को-ब्रांडेड जेन्युन डीईएफ का इस्तेमाल करके अपनी गाड़ी की परफॉर्मेंस को बेहतर बना सकते हैं। इससे न सिर्फ गाड़ी पर्यावरण के अनुकूल बनती है, बल्कि यह भारतीय मानक ब्यूरो के प्रदूषण नियंत्रण नियमों पर भी पूरी तरह खरी उतरती है।हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के मार्केटिंग डायरेक्टर अमित गर्ग ने लॉन्च पर कहा एचपीसीएल में हम मोबिलिटी सेक्टर में नवाचार एवं स्थायित्व को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत वैल्यू फंड ने भारत के सबसे बड़े स्मार्ट टीवी ओडीएम निर्माता

मुंबई, एजेंसी। 1975 में स्थापित, वीरा ग्रुप एक प्रमुख भारतीय निर्माता है जो उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में विशेषज्ञता रखता है। कंपनी के पास एक विविध पोर्टफोलियो है जिसमें एलईडी टीवी, वाशिंग मशीन, एयर कूलर और मल्टीमीडिया स्पीकर शामिल हैं। यह निवेश इसके प्री-आईपीओ प्लेसमेंट राउंड के सफल समापन का प्रतीक है। वीरा ग्रुप उत्तर प्रदेश के नोएडा में दो अत्याधुनिक सुविधाओं का संचालन करता है, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए सालाना 3 मिलियन टीवी का उत्पादन करने में सक्षम बनाता है। ये सुविधाएं आधुनिक तकनीकों से लैस हैं, जिनमें वैक्यूम-नियंत्रित, जीरो-डस्ट क्लीन रूम, एओआई मशीन और रोबोटिक उत्पादन लाइन शामिल हैं, जो गुणवत्ता और दक्षता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करती हैं। इस सेटअप के साथ, समूह हर 5 सेकंड में एक एलईडी टीवी का निर्माण कर सकता है, जिससे यह भारत का नंबर एक ओडीएम निर्माता बन जाता है।

सेंसोडाइन ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 2025 कैंपेन की शुरुआत की

मुंबई एजेंसी। सेंसोडाइन जो हेलियोन पहले ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर) का एक जानामाना ओरल केयर ब्रांड है, उसने 24 घंटे में सबसे ज्यादा ऑनलाइन डेंटल स्क्रीनिंग टेस्ट पूरे कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डइ बनाया। महाकुंभ 2025 में आयोजित इस पहल में लगभग 27,000 से ज्यादा लोगों ने डेंटल चेकअप कराया।

यह भारत में ओरल केयर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बहुत बड़ी कामयाब कोशिश रही। इस पहल में अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए सेंसोडाइनने अपने नए 20 रूपये के छोटे टूथपेस्ट पैक बाँटे, जो सेंसिटिविटी से सुरक्षा अब कम दाम में उपलब्ध कराएगा।

यह रिकॉर्ड सेंसोडाइन के वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे कैंपेन की शुरुआत भी करता है, जिसका लक्ष्य लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए जागरूक करना है। सेंसोडाइन पिछले 10 सालों से भी ज्यादा समय से लोगों को दांतों की सेंसिटिविटी पहचानने और सही समय पर उसके लिए कदम लेने के लिए जागरूक कर रहा है।

टाटा मोटर्स ने देश में पहले हाइड्रोजन ट्रक का परीक्षण शुरू कर पर्यावरण की रक्षा और स्वच्छ भविष्य को बढ़ावा दिया है

16 ट्रक प्रमुख मालवाहक मार्गों पर दौड़ेंगे, जिससे प्रदूषण मुक्त

भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 2070 तक प्रदूषण मुक्त बनने के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन से चलने वाले भारी ट्रकों का पहला परीक्षण शुरू किया है। इस ऐतिहासिक पहल को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी और केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह परीक्षण लंबी दूरी के माल परिवहन के लिए पर्यावरण के अनुकूल समाधान विकसित करने के कंपनी के प्रयासों को दर्शाता है।टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक श्री गिरीश वाघ और सरकार व कंपनियों के अन्य विशिष्ट प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस पहल के जरिए टाटा मोटर्स ने भारत के हरित ऊर्जा लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कंपनी को इस परीक्षण के लिए अनुबंध मिला, जिसे नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यह पहल लंबी दूरी के माल परिवहन में हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों की

व्यावसायिक उपयोगिता को परखने और इनके संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इस परीक्षण चरण की अवधि 24 महीने होगी, जिसमें अलग-अलग कॉन्फ़िगरेशन और माल ढोने की क्षमता वाले 16 आधुनिक हाइड्रोजन ट्रकों का उपयोग किया जाएगा। ये ट्रक उन्नत हाइड्रोजन इंजन और फ्यूल सेल तकनीक से लैस होंगे और इनका परीक्षण देश के प्रमुख मालवाहक मार्गों जैसे मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, सूरत, वडोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर में किया जाएगा।

परीक्षण को हरी झंडी दिखाते हुए, भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा,''हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है, जिसमें प्रदूषण कम करने और भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की जबरदस्त क्षमता है। इस तरह की पहलें भारी ट्रकों के लिए स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को अपनाने की गति तेज करेंगी और हमें कम कार्बन उत्सर्जन वाले भविष्य की ओर ले जाएंगी।

अमृतांजन के मासिक धर्म स्वच्छता ब्रांड कॉम्फी ने किया 100 करोड़ का आंकड़ा पार

मुंबई एजेंसी। दर्द प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी, अमृतांजन हेल्थकेयर ने महिला स्वच्छता से जुड़े बेहतर और किफायती उत्पादों की आवश्यकता को देखते हुए हुए 2011 में कॉम्फी ब्रांड लॉन्च किया था। आज, कॉम्फी 100 करोड़ रुपये का ब्रांड बन गया है, जो सैनिटरी नैपकिन, टैम्पोन, मासिक धर्म कप और पीरियड पेन रोल-ऑन सहित मासिक धर्म से जुड़े समाधानों की पूरी श्रृंखला के साथ लाखों महिलाओं को सशक्त बना रहा है, वह भी बेहद किफायती कीमत पर। भारत में मासिक धर्म का अनुभव करने वाली महिलाओं की संख्या 35.5 करोड़ है और फिलहाल उनमें से केवल 36त्न महिलाएं ही सैनिटरी नैपकिन का उपयोग कर पाती हैं। मुख्य तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं और लड़कियों के पास अक्सर मासिक धर्म की देखभाल से जुड़े अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं। इन्हीं महिलाओं की कहानियों से प्रेरित होकर उनकी ज़रूरत पूरी करने के लिए कॉम्फी को डिज़ाइन किया गया। महिला स्वच्छता से जुड़े उत्पादों के लिहाज़ से अग्रणी बेला प्रीमियर हैप्पी हाइजीन केयर प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, टीम ने उत्तरी अमेरिका से आयातित पल्प का उपयोग कर एक ऐसा उत्पाद विकसित किया जो भारत में अन्य प्रमुख ब्रांडों की तुलना में 80त्न बेहतर अवशोषण का वादा करता है। लेकिन तकनीकी उत्कृष्टता ही काफी नहीं है बल्कि इसे किफायती भी होना चाहिए। कॉम्फी के किफायती मूल्य निर्धारण ने अलग-अलग आर्थिक पृष्ठभूमि वाली महिलाओं के लिए बेहतर मासिक धर्म देखभाल को सुलभ बना दिया है। अमृतंजन हेल्थकेयर लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, एस. संभू प्रसाद कहते हैं, कॉम्फी आज एक अरब रुपये (100 करोड़) का ब्रांड है।

एचडीएफसी बैंक ने भारतीय वायु सेना और सीएससी अकादमी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए

● बैंक अपने परिवर्तन कार्यक्रम के तहत रक्षा सेवा के वेटरन्स और उनके परिजनों के लिए आर्थिक समावेशन का निर्माण करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज भारतीय वायु सेना के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो सहायक वायु सेना प्रमुख - लेखा और वायु सेना के वेटरन्स और सीएससी अकादमी के कार्यालय के माध्यम से कार्य करता है। इस दिन प्रोजेक्ट एचएकेके (हवाई अनुभव कल्याण केंद्र) - सेवा करने वालों की सेवा करना शुरू किया गया। प्रोजेक्ट एचएकेके को रक्षा पेंशनभोगियों, दिग्गजों और उनके परिवारों को सहायता और सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।शुरुआत में, वायु सेना इकाइयों में 25 केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें नई दिल्ली, बेंगलुरु, गुड़गांव, पुणे, सिकंदराबाद, गुवाहाटी, जोधपुर और चंडीगढ़ शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक अपने परिवर्तन कार्यक्रम के तहत रक्षा सेवा के वेटरन्स और उनके परिजनों के लिए आर्थिक समावेशन का निर्माण करेगा। बैंक सीएससी अकादमी (कॉमन सर्विस सेंटर ई-गवर्नेंस लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित) के साथ मिलकर वित्तीय उत्पादों और सेवाओं में कौशल विकास और प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे उन्हें वित्तीय रूप से स्वतंत्र होने में मदद मिलेगी। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों में एयर मार्शल पीके घोष एवीएसएम - एयर ऑफिसर इन चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन, सुश्री स्मिता भगत, ग्रुप हेड - एचडीएफसी बैंक, संजय राकेश, चेयरमैन, सीएससी अकादमी और भारतीय वायु सेना, एचडीएफसी बैंक और सीएससी ई गवर्नेंस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। एमओयू पर सत्येन मोदी, कार्यकारी उपाध्यक्ष और बिजनेस हेड, वैकल्पिक बैंकिंग चैनल और भागीदारी - एचडीएफसी बैंक, एयर वाइस मार्शल उपदेश शर्मा वीएसएम - सहायक वायु सेना प्रमुख (लेखा और वायु सेना के दिग्गज) और प्रवीण चांदेकर, सीईओ-सीएससी अकादमी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बोलते हुए सुश्री स्मिता भगत ने कहा, यह समझौता ज्ञापन भारतीय वायुसेना के वेटरन्स और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एचडीएफसी बैंक देश के प्रति सशस्त्र बलों के योगदान का गहरा सम्मान करता है और इन केंद्रों के माध्यम से हमारा लक्ष्य भूतपूर्व सैनिकों और शहीदों दोनों के परिवारों को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना है। इस अवसर पर बोलते हुए, संजय राकेश ने कहा, हमें अपने वायुसेना के दिग्गजों, उनके परिवारों और परिजनों के दरवाजे तक जी2सी और स्पर्श पेंशन सेवाएं लाकर हमारी सेवा करने वालों की सहायता करने पर गर्व है, हम उनके कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं।

नथिंग फ़ोन (3ए) और फ़ोन (3ए) प्रो भारत में लॉन्च किए गए

नई दिल्ली। नथिंग ने फ़ोन (3ए) सीरीज़ पेश की, जो एडवांस्ड फ़ीचर्स के साथ अपने मिड-रेंज लाइनअप को और बेहतर बनाती है। बहु-चर्चित फ़ोन (2ए) पर आधारित, इसमें है ऑप्टिकल ज़ूम के साथ एक एडवांस्ड ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, एक दमदार स्नैपड्रैगन0 प्रोसेसर, एक उज्ज्वल, ज़्यादा रिस्पॉन्सिव डिस्प्ले और आवश्यक स्थान जैसे नथिंग ह्रस्नवाचार — ये सब दो खास बेहतर डिज़ाइनों में आ रहे हैं। फ़ोन (3ए) और फ़ोन (3ए) प्रो दोनों में ही ज़्यादा सोफ़ेस्टिकेटेड लुक और फ़ील है, जिसमें अपग्रेडेड ग्लास बैक पैनल, इनटर्नल संरचना में बढ़ी हुई समरूपता और फ़िनिश में परिष्कृत विज़ुअल डिटेल्स और तत्व शामिल हैं। इसके अलावा, फ़ोन (3ए) सीरीज़ ने अपनी टिकाऊपन को भी आईपी64 रेटिंग में अपग्रेड किया है। जब कैमरे की बात आती है, तो नथि ने फ़ोन (3ए) सीरीज़ में अब तक का सबसे एडवांस्ड कैमरा सिस्टम पेश किया है। फ़ोन (3ए) में पहली बार ऑप्टिकल ज़ूम के साथ एक अपग्रेडेड 50एमपी मेन सेंसर और एक सोनी अल्ट्रा-वाइड सेंसर की सुविधा होगी। फ़ोन (3ए) के टेलीफ़ोटो कैमरे में 50 मिमी समतुल्य फोकल लेन्थ पर विस्तृत शॉट्स के लिए तेज़ एफ/2.0 अपर्चर के साथ एक दमदार 50एमपी सेंसर है।

आकाश एजुकेशनल ने एस्पायरिंग इंजीनियर्स के लिए पेश किया आकाश इनविक्ट- अल्टीमेट जेईई प्रिपरेशन प्रोग्राम

भोपाल। परीक्षा की तैयारी में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने गर्व के साथ आकाश इन्विक्टस का शुभारंभ किया है। यह जेईई की तैयारी के लिए एक अनूठा और अग्रणी एडवांस्ड प्रोग्राम है, जिसे विशेष रूप से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उच्च-स्तरीय, व्यक्तिगत, एआई आधारित और परिणाम-केंद्रित कार्यक्रम आईआईटी या विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तैयारी करने वाले छात्रों को सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के मडी एंड सीईओ दीपक मेहरोत्रा ने प्रोग्राम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, आकाश इन्विक्टस केवल एक कोचिंग प्रोग्राम नहीं है; यह उन छात्रों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा है, जो शीर्ष आईआईटी रैंक हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं। ये प्रोग्राम दशकों के एक्सपीरियंस, एडवांस्ड टीचिंग मेथड्स और पर्सनलाइज्ड, टेक्नोलॉजी-ड्रिवन एजुकेशन को टॉप-लेवल फैकल्टी के साथ जोड़ता है। पिछले कुछ वर्षों में, हमारे शिक्षकों ने लाखों छात्रों को शीर्ष आईआईटी में प्रवेश दिलाने में सफलता प्राप्त की है।

अध्ययन सामग्री को पूरी तरह से नए तरीके से तैयार किया गया है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम शामिल है और इसे उद्योग के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों ने विकसित किया है। हमें पूरा विश्वास है कि यह सर्वोत्तम है - यदि आप बेहतर सामग्री तैयार कर सकते हैं, तो हम आपको पुरस्कृत करेंगे और हमारी टीम में आपका स्वागत करेंगे।आकाश इन्विक्टस लगभग 500 सबसे अच्छे जेईई शिक्षक एक साथ लाता है, जो एक लाख से ज्यादा छात्रों को आईआईटी में सफलता दिलाने में मदद कर चुके हैं। ये शिक्षक छात्रों को उत्कृष्ट मार्गदर्शन देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

ब्रिक्स सीसीआई वी समिट 2025 में प्रगति में महिलाओं की समान भागीदारी के लिए सामूहिक वैश्विक मंच की वकालत

नई दिल्ली, एजेंसी।-ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) की महिला सशक्तिकरण इकाई ब्रिक्स सीसीआई वी ने महिलाओं की अगुवाई में विकास की भावना का जश्न मनाते हुए ब्रिक्स सीसीआई वी वार्षिक महिला सम्मेलन एवं सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया।

इस सम्मान समारोह में आईपीएस (सेवानिवृत्त) एवं पुदुचेरी की पूर्व उप राज्यपाल डाक्टर किरण बेदी, इथियोपिया की उप राजदूत सुश्री बिजुनेश मेसेरेट, ब्रिक्स वुमेन्स बिजनेस एलायंस, दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री लेबोगैंग जुलु, अभिनेत्री, इको इनवेस्टर, यूएनईपी की गुडविल एंबेसडर सुश्री दिया मिर्जा, डब्लू20 ऑस्ट्रेलिया की प्रतिनिधिमंडल प्रमुख सुश्री चिओऊ सी एंडरसन, लिडर डे जेनेरियो स्टार्टअप 20- टास्क फोर्स ईएसजी, जी20 ब्राजील 2024 की प्रेसिडेंट एट इंस्पायरिंग वुमेन सुश्री जियोवाना क्राड्रोस, निदेशक सुश्री तातियाना सेलिवरस्तोवा, एंटा ग्रुप की वाइस प्रेसिडेंट सुश्री क्रिस्टिना ली (ली

वुमेन इन मैनेजमेंट (डब्लूआईएम) की डाक्टर सुलोचना सेगेरा, बायोफूडलैब की सीईओ व संस्थापक सुश्री एलेना शिफ्रिना, इंटरनेशनल एक्सिलरेशन प्रोग्राम ब्रिक्स बिजनेस इनक्यूबेटर और एससीओ बिजनेस इनक्यूबेटर की लिंग) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्ट्रैटेजी, चाइनीज एकैडमी ऑफ सोशल साइंसेज़ में एसोसिएट प्रोफेसर एवं सीनियर फैलो सुश्री यांग शियाओपिंगको सम्मानित किया गया।

शिबानी को कहां से आया सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का आइडिया?

चर्चा में है नया क्राइम ड्रामा

पिछले दिनों ओटीटी पर वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का प्रीमियर हुआ। इस सीरीज को फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है और उनकी पत्नी शिबानी दांडेकर इससे क्रिएटर के तौर पर जुड़ी हैं। इस क्राइम ड्रामा का आइडिया शिबानी को कैसे आया, जानिए? शबाना आजमी के अलावा ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी उम्दा एक्ट्रेस ने वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में ऐसी महिलाओं का रोल किया है, जो ड्रग, क्राइम के जाल में फंस जाती हैं। फिर ड्रग्स का बिजनेस करने लगती हैं। इस कहानी का आइडिया वेब सीरीज की क्रिएटर शिबानी दांडेकर को कैसे आया? इस सीक्रेट के बारे में शिबानी ने हाल ही में बताया है।

देखती रही हैं खूब क्राइम ड्रामा

शिबानी दांडेकर ने फर्स्टपोस्ट को दिए हालिया इंटरव्यू में बताया कि वह एक समय में बहुत ज्यादा क्राइम ड्रामा देखा करती थीं। ऐसे में अचानक उन्हें ख्याल आया कि क्राइम ड्रामा में महिलाओं की कहानी को दिखाया जाए। इस तरह वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का आइडिया शिबानी दांडेकर को आया। शबाना आजमी इस सीरीज का हिस्सा इसलिए बनी हैं क्योंकि यह उनके लिए फैमिली प्रोजेक्ट की तरह है। वह रिश्ते में शिबानी की सास लगती हैं। शबाना आजमी ने जावेद अख्तर से शादी की है। फरहान अख्तर, जावेद अख्तर के बेटे हैं, वह उनकी पहली शादी से हुए हैं। शिबानी, फरहान की पत्नी हैं। ऐसे में शिबानी और शबाना रिश्ते में सास-बहू हैं। पिछले दिनों शबाना ने कहा था कि शिबानी ने इस वेब सीरीज को क्रिएट किया। वह कहती हैं, 'उसने मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। मैं बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा (फरहान) तो प्रोड्यूसर ही है।

डिब्बा कार्टेल की स्टोरी काफी यूनीक नजर आती है। इसमें कुछ महिलाएं एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं।

मौनी रॉय ने अपनी अद्भुत कथक प्रस्तुति से सभी को किया मोहित

मौनी रॉय एक ऑल-राउंडर हैं। वह एक बहुत ही लोकप्रिय अभिनेत्री, एक सफल एंटरप्रेन्योर और एक फैशनिस्टा आइकन होने के साथ-साथ डांस में भी गहरी रुचि रखती हैं। मनोरंजन जगत में अपने करियर की शुरुआत बैकग्राउंड डांसर के रूप में करने वाली मौनी के लिए नृत्य हमेशा से उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है। कला के प्रति उसी प्रेम को प्रदर्शित करते हुए, मौनी रॉय ने अपने सोशल मीडिया पर लोकप्रिय बंगाली गीत शोंगो चारे कोरे सखी की धुन पर शानदार कथक डांस प्रस्तुत किया।

मौनी की कथक नृत्य में महारत, उनकी आंखों की भावों को अभिव्यक्त करने की क्षमता और उनकी बेहतरीन मुद्राएँ (हस्त मुद्राएँ) - इन सभी ने हमें एक बार फिर उनका दीवाना बना दिया।

कुल मिलाकर, उनकी इस प्रस्तुति में उनके डांस के प्रति असीम प्रेम की झलक पूरी तरह से नजर आई।

काम के मोर्चे पर, मौनी हाल ही में लंदन फैशन वीक 2025 की सफल यात्रा से लौटी हैं, जहाँ वह भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र भारतीय चेहरा थीं। अभिनेत्री जल्द ही अपनी अगली रिलीज़ द भूतनी के साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी, जो 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

जस्टिस त्रिपाठी पर बोले सौरभ शुक्ला

ये कमाल की बात है कि मैं कभी कोर्ट नहीं गया हूं

हिंदी सिनेमा में गिनती के ऐसे कलाकार हैं जिनकी लेखनी और जिनका अभिनय दोनों कमाल के रहे हैं। मशहूर निर्देशक अनुभव सिन्हा खुद के लेखक बनने का क्रेडिट आज भी सौरभ शुक्ला को ही देते हैं। और, सौरभ शुक्ला कहते हैं कि उन्हें जिंदगी ने लेखक बनाया। सौरभ शुक्ल की पैदाइश गोरखपुर की है, पर पले बढ़े वह ताजमहल के शहर आगरा में। आगरा का पेठा, आगरा का ताजमहल और आगरा के सौरभ शुक्ला!

सिनेमा आपके जीवन में कब और कैसे आया?

सिनेमा का शौक हमें बचपन से ही लग गया। मेरा परिवार बड़ा विचित्र परिवार रहा है। पिता जी मेरे शत्रुघ्न शुक्ल आगरा घराने के मशहूर गायक और मां (जोगमाया शुक्ला) तो प्रथम तबला वादक थीं ही। दोनों को पिक्चर देखने का बड़ा शौक था। हम चार लोग, मैं, मेरा बड़ा भाई, मां और बाबा, हर संडे को सुबह मॉर्निंग शो में अंग्रेजी पिक्चर जरूर देखते थे। फिर घर आकर खाना वगैरह खाकर शाम को छह बजे एक हिंदी फिल्म का शो भी जरूर देखते थे। ये हमारा तय साप्ताहिक कार्यक्रम था, महीने में आठ फिल्में तो हम देखते ही देखते थे। मेरे कितने दोस्त थे जिन्होंने डेढ़-डेढ़ साल फिल्म नहीं देखी होती और जिनके पिताजी गर्व से कहते कि हमने 20 साल से पिक्चर नहीं देखी। हमारे घर में सिनेमा का माहौल शुरू से रहा।

मैं सबसे पहले पटकथा लेकर चलता हूं। अपने जीवन से या आसपास के लोगों में उसका संदर्भ ढूंढता हूं। फिर जरूरत पड़ती है तो उसके दायरे से भी निकलकर पढ़ता हूं। उसकी पृष्ठभूमि देखता हूं। एक पटकथा में वे सारे सूत्र होते हैं जिनके आधार पर कोई कलाकार अपने किरदार की कल्पना कर सकता है। वही गीता है, वही बाइबल है। अपने आसपास के या जान पहचान के लोगों से भी कभी मदद मिल जाती है, जिनके साथ कभी ऐसा कुछ हुआ हो। हां, लेखक या निर्देशक होने का ये तो अंतर रहता है कि वह बाकी कलाकारों से अलग होता है। हर अच्छे लेखक को अनुसंधान की आदत होती है। वह उसके पास एक अतिरिक्त गुण तो होता ही है।

आप अपने निभाए किरदारों को यादगार बनाने के लिए अलग से क्या कुछ करते हैं?

इसको मैं अपनी खुशकिस्मती मानूंगा कि जिस तरह से मैंने चीजों को सोचा और जिस तरह से मैंने चीजों को निभाया, वह लोगों को पसंद आया। कहना चाहिए कि वह लोगों से जुड़ पाया। किसी भी किरदार को दर्शक जब पसंद करते हैं तो वह उस चरित्र में अपने जीवन की कुछ न कुछ छाप देखते हैं। अभिनय में सबसे पहले मैं अपने आप से जुड़ता हूं क्योंकि मै भी एक आम इंसान हूं। मैं खुद से सवाल करता हूं कि क्या जनता इस किरदार को अपना सकेगी?

ऐसा ही एक और किरदार मुझे याद आता है, जस्टिस सुंदरलाल त्रिपाठी...

ये कमाल की बात है कि मैं आज तक कोर्ट नहीं गया हूं। इस किरदार को निभाने में भी इस फिल्म के निर्देशक सुभाष कपूर काफी मददगार साबित हुए थे। उन्होंने अदालतों के बहुत सारे किस्से मुझे बताए थे। 'जॉली एलएलबी' से पहले हिंदी फिल्मों के जज को एक कार्डबोर्ड कैरेक्टर के तौर पर देखा जाता था, एक इंसान के तौर पर नहीं। लेकिन आखिर वह भी इंसान है। तो उसमें इंसानियत के सूत्र तलाशे गए कि सुंदरलाल त्रिपाठी रहता कहां होगा, तनख्वाह कितनी होगी? अमेरिका का जज तो है नहीं कि एक बंगला होगा और वहां एक उसका लैब्राडॉर होगा और चार पांच नौकर चाकर होंगे। नहीं, ऐसा जज वह नहीं है।

रश्मिका मंदाना को आखिरी मिनट में तैयार होने की हड़बड़ी, उन्हें कॉलेज के दिनों की दिलाती है याद

रश्मिका मंदाना को अपने कॉलेज के दिनों की याद आ गई, जब आखिरी समय की हड़बड़ी के कारण उन्हें खुद ही अपने बाल और मेकअप करने पड़े। एनिमल अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, कभी-कभी, बस कभी-कभी चीजें आखिरी मिनट में होती हैं और मुझे खुद ही हेयर मेकअप स्टाइल करना पड़ता है और अपने सबसे अच्छे दोस्त से मेरी तस्वीरें लेने के लिए कहना पड़ता है। इसका अंत इस तरह होता है। मुझे यह पसंद है। यह मुझे पूरी तरह से कॉलेज के दिनों में वापस ले जा रहा है। रश्मिका मंदाना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीर शेयर की। साड़ी में अभिनेत्री बेहद खूबसूरत लग रही थी। रश्मिका मंदाना सलमान खान की अगली फिल्म सिकंदर में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म निर्माताओं ने पहला गाना जोहरा जबीन रिलीज किया। सलमान खान और रश्मिका मंदाना को फराह खान की कोरियोग्राफी पर डांस नंबर पर परफॉर्म करते हुए देखा गया। ट्रैक की बीट्स प्रीतम ने तैयार की है। इस गाने को नक्श अजीज और देव नेगी ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि इसके बोल समीर और दानिश सबरी ने लिखे हैं। सिकंदर 2023 की फिल्म टाइगर 3 के बाद सलमान खान की बड़े पर्दे पर वापसी है।

इस फिल्म का निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है, जो गजनी के लिए प्रसिद्ध हैं। सिकंदर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के साथ, काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी हैं। सिकंदर फिल्म के साथ सलमान खान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला 2014 की ब्लॉकबस्टर किक के बाद एक बार फिर साथ आए हैं।

अनुराग बोले-

'बॉलीवुड 800 करोड़ रुपये वाली फिल्म के पीछे भाग रहा है', निर्देशक ने छोड़ा मुंबई

अनुराग कश्यप लंबे समय से मुंबई छोड़ने की बात कर रहे हैं। खबर है कि वह अब मुंबई से दक्षिण भारत में जाकर शिफ्ट हो चुके हैं। हाल ही में निर्देशक ने एक इंटरव्यू में फिर से बताया कि वह क्यों बॉलीवुड से परेशान हैं। अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड में लीक से हटकर फिल्में बनाई हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से वह बॉलीवुड के वर्क कल्चर को लेकर काफी परेशान नजर आए। इसलिए निर्देशक ने मुंबई छोड़ने का मन बनाया। वह अब मुंबई से दूर दक्षिण भारत में जाकर बस गए। हाल ही में अनुराग कश्यप ने फिर से बॉलीवुड के खराब वर्क कल्चर को लेकर बात की।

बॉलीवुड में क्रिएटिव माहौल नहीं

बातचीत में अनुराग कश्यप ने बताया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री टॉक्सिक हो चुकी है, इसलिए उन्होंने मुंबई छोड़ा। वह ऐसे लोगों से दूर रहना चाहते हैं। अनुराग का यह भी कहना है कि बॉलीवुड में हर कोई 800 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्म का टारगेट बनाकर चल रहा है, उस टारगेट का पीछा कर रहा है। इससे क्रिएटिव माहौल खत्म हो गया है। अनुराग से जुड़े करीबी सूत्रों का कहना है कि निर्देशक अब बेंग्लुरु में शिफ्ट हो चुके हैं।

रकुल ने दे दे प्यार दे 2 को लेकर शेयर किया पोस्ट, रैप अप हुई पटियाला शैड्यूल की शूटिंग

रकुल प्रीत सिंह शादी के बाद से लगातार हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म दे दे प्यार दे 2 के पटियाला शेड्यूल के खत्म होने की खुशखबरी सोशल मीडिया पर शेयर की है और साथ ही एक खास नोट भी लिखा है।

रकुल का पोस्ट

रकुल प्रीत सिंह ने फिल्म दे दे प्यार दे 2 को लेकर अपनी खुशी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर शेयर करते हुए एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनके साथ क्रू के कई लोग नजर आ रहे हैं। इस खास तस्वीर के साथ रकुल ने लिखा, इसके साथ ही हमने पटियाला शेड्यूल पूरा कर लिया है। यह महीना बहुत अच्छा और संतोष देने वाला रहा। हां, ठंड बहुत थी और काम भी खूब था, लेकिन मेरी टीम ने मेरी मदद की और सब आसानी से हो गया। मैं चाहती हूं कि आप सब फिल्म देखें और उम्मीद है कि आपको आयशा का किरदार फिर से पसंद आएगा।

फिल्म दे दे प्यार दे 2

फिल्म दे दे प्यार दे 2 साल 2019 में आई दे दे प्यार दे की दूसरी किस्त है। इस फिल्म का पहला पार्ट काफी सफल रहा था। वहीं अब दे दे प्यार दे के प्रशंसकों को इसकी दूसरी किस्त का बेसब्री से इंतजार है। इसका निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है। दे दे प्यार दे 2 में रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। पहली फिल्म को बहुत पसंद किया गया था, इसलिए फैंस को इस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार है। 'दे दे प्यार दे 2' में रकुल प्रीत 'आयशा' की अपनी भूमिका को दोहराती नजर आएंगी। अंशुल शर्मा के निर्देशन में तैयार सीक्वल में आर. माधवन भी हैं। हालांकि, अजय देवगन भी अपनी भूमिका को निभाते नजर आएंगे।

एक अभिनेता के रूप में विनीत कुमार सिंह की रेंज बेहद शानदार

विनीत कुमार सिंह ने अपनी जगह बना ली है। और यह हम उनके हालिया रिलीज़ छावा और सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में लगातार दिल जीत लेने वाली परफॉर्मेंस के बाद पूरे यकीन से कह सकते हैं। लक्ष्मण उटेकर और रीमा कागती के निर्देशन में बनी फिल्मों में अपने किरदार कवि कलश और फरोग के लिए अभिनेता को खूब प्रशंसा मिल रही है। और जबकि अभिनेता अपनी हालिया रिलीज़ सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव की सफलता का जश्न मना रहे हैं, यहाँ विनीत की कुछ अन्य फ़िल्में हैं, जो आपको साबित करेंगी कि उन्होंने एक अभिनेता के रूप में कभी भी प्रयोग करना बंद नहीं किया। मुक्काबाज़ एक ऐसी फ़िल्म है जो कई कारणों से विनीत के दिल के हमेशा करीब रहेगी। यह वह फ़िल्म थी जिसने उन्हें बॉलीवुड में 17 साल बाद स्थापित किया, एक फ़िल्म जिसे उन्होंने अपनी बहन मुक्ति के साथ मिलकर लिखा था, और अनुराग कश्यप द्वारा फ़िल्म बनाने और विनीत को इसमें कास्ट करने के लिए सहमत होने से पहले पूरे दो साल तक इंतज़ार किया। अभिनेता ने असल ज़िंदगी में बॉक्सर बनने के लिए एक साल से ज़्यादा समय तक प्रशिक्षण भी लिया। इस फ़िल्म ने 2017 टोरंटो इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल और 2017 [illegible] फ़िल्म फ़ेस्टिवल में प्रशंसा हासिल की, जहाँ इसे स्टैंडिंग ओवेशन मिला। इस फिल्म ने विनीत कुमार सिंह को भी एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित किया, जिस पर नज़र रखना चाहिए।विनीत ने अनुराग कश्यप की डार्क कॉमेडी में सरदार और नगमा के बेटे दानिश खान का किरदार निभाया था।

मुश्फिकुर रहीम ने वनडे फॉर्मेट को कहा अलविदा

ढाका, एजेंसी। पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया. वहीं, अब बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने वनडे फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है. मुश्फिकुर रहीम ने अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर किया है.

इस पोस्ट में उन्होंने बताया है कि अब वनडे फॉर्मेट में बांग्लादेश की जर्सी में नजर नहीं आएंगे. इससे पहले करीबन 3 साल पहले मुश्फिकुर रहीम ने टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था. हालांकि, मुश्फिकुर रहीम टेस्ट फॉर्मेट में खेलते रहेंगे. चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा. बांग्लादेश की टीम ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में नाकाम रही. बांग्लादेश को भारत के अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा. इसके अलावा बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान मैच बारिश की भेंट चढ़ गया.

वनडे फॉर्मेट में तमीम इकबाल के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

मुश्फिकुर रहीम ने तकरीबन 19 साल पहले 2006 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना पहला वनडे खेला. बांग्लादेश के लिए मुश्फिकुर रहीम 274 वनडे खेले.

बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा वनडे खेलने वाले क्रिकेटरों की फेहरिस्त में मुश्फिकुर रहीम टॉप पर

काबिज हैं. इसके अलावा वनडे फॉर्मेट में बांग्लादेश के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. मुश्फिकुर रहीम से ज्यादा रन तमीम इकबाल ने बनाए हैं. लिहाजा, किसी नए विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए मुश्फिकुर रहीम की कमी पूरी करना आसान नहीं होगा.

ऐसा रहा मुश्फिकुर रहीम का वनडे करियर

आंकड़े बताते हैं कि मुश्फिकुर रहीम ने 274 वनडे मैचों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया. जिसमें उन्होंने 36.42 की एवरेज और 79.7 की स्ट्राइक रेट से 7795 रन बनाए. इस फॉर्मेट में मुश्फिकुर रहीम का बेस्ट स्कोर 144 रन रहा. इसके अलावा उन्होंने 9 शतक और 49 बार पचास रनों का आंकड़ा पार किया.

सौरव गांगुली 52 साल की उम्र में करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने अब तक कई भूमिकाएं निभाई हैं। टीम के सलामी बल्लेबाज से लेकर कप्तान और फिर बीसीसीआई अध्यक्ष। गांगुली वे क्रिकेट में लंबा समय बिताया है। हालांकि वह यह पूर्व खिलाड़ी एक नए अंदाज में नजर आएगा। गांगुली 52 साल की उम्र में एक्टिंग में डेब्यू करने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सौरव गांगुली नेटफ्लिक्स सीरीज खाकी में नजर आएंगे। वह दूसरे सीजन में पुलिस अफसर के रोल में नजर आएंगे और एक्टिंग करियर की शुरुआत करेंगे। सीरीज का पहला सीजन भी काफी हिट रहा था, जिसमें करण टक्कर, अविनाश जैसे कई एक्टर थे। गांगुली के इस सीरीज से जुड़ने के बाद इसकी और ज्यादा चर्चा होने लगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक गांगुली ने बिनोदिनी स्टूडियो में एक एड का शूट किया जहां से उनकी पुलिस वर्दी में तस्वीर वायरल हुई। गांगुली की बायोपिक भी बनाई जा रही है। माना जा रहा है कि इस फिल्म में गांगुली का रोल राजकुमार राव करेंगे। गांगुली अपनी बायोपिक में नजर नहीं आएंगे। गांगुली से पहले कई खिलाड़ियों की बायोपिक बनाई। भारतीय एथलीट मिल्खा सिंह, बॉक्सर मैरीकॉम, क्रिकेटर एमएस धोनी, पैरालंपियन मुरलीकांत पेटकर पर फिल्में बन चुके हैं। सौरव गांगुली ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत पर लगाए जा रहे आरोपों पर जवाब दिया। इंग्लैंड के नासिर हुसैन और माइक अर्थटन ने आरोप लगाया था कि भारत को एक ही जगह खेलने का मौका मिला जिसका उन्हें फायदा हुआ। दूसरी टीमों को भारत से खेलने के लिए पाकिस्तान से दुबई यात्रा करनी पडी। गांगुली ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, पाकिस्तान की पिचें बहुत बेहतर हैं, भारत वहां ज्यादा रन बनाता, पाकिस्तान में तीन शहरों- लाहौर, कराची और रावलपिंडी में खेले गए सात मैचों में टीमों ने 34.96 का औसत बनाया है, जिसमें आठ शतक और 17 अर्द्धशतक शामिल हैं। ऐसे में पाकिस्तान में खेलने का और भी फायदा भारत को मिलता.

भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने प्राग मास्टर्स में हासिल की एकल बढ़त

प्राग, एजेंसी। अरविंद इस जीत से लाइव रेटिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस तरह से लाइव रेटिंग में शीर्ष 15 में अब कम से कम पांच भारतीय शामिल हो गए हैं। विश्वनाथन आनंद 15वें नंबर पर हैं।

भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सातवें दौर में काले मोहरे से खेलते हुए नीदरलैंड के अनीश गिरी को मात दी और एकल बढ़त हासिल करने में सफल रहे। अरविंद ने शुरू से लेकर आखिर तक अपनी लय बनाए रखी। अरविंद ने गिरी के खिलाफ 24वीं चाल में अपने घोड़े के दम पर बढ़त बनाई और आखिर में 39वीं चाल में जीत हासिल करके रिकॉर्ड बुक में अपना नाम लिखवाया। लाइव रेटिंग में 14वें स्थआन पर पहुंचे अरविंद

अरविंद इस जीत से लाइव रेटिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस तरह से लाइव रेटिंग में शीर्ष 15 में अब कम से कम पांच भारतीय शामिल हो गए हैं। विश्वनाथन आनंद 15वें नंबर पर हैं। अरविंद ने पहली बार शीर्ष 15 में प्रवेश किया।

प्रज्ञानंद ने ड्रॉ खेला

भारत के एक अन्य खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट से पहले खिताब के दावेदार माने जा रहे चीन के वेई यी के साथ ड्रॉ खेला। अरविंद ने संभावित सात में से अपने अंकों की संख्या पांच कर ली है और अब वह प्रज्ञानंद से आधे अंक की बढ़त पर हैं। अब केवल दो दौर की बाजियां खेली जानी बाकी है। अमेरिका के सैम शैंकलैंड ने वियतनाम के क्वांग लीम ले को हरा दिया। दिलचस्प बात यह है कि क्वांग लीम और गिरी दोनों ने पहली छह बाजियां ड्रॉ खेली थी। एक अन्य मुकाबले में तुर्किए के 16 वर्षीय गुरेल एडिज ने चेक गणराज्य के गुयेन थाई दाई वान को पराजित किया, जबकि चेक गणराज्य के ही डेविड नवारा ने जर्मनी के विंसेंट कीमर के साथ ड्रॉ खेला। अरविंद पांच अंक लेकर शीर्ष पर काबिज हैं, जबकि प्रज्ञानंद 4.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उनके बाद वेई यी, एडिज, कीमर और शैंकलैंड का नंबर आता है जिनके 3.5 अंक हैं।

चैंपियंस लीगः

दस खिलाड़ियों वाली बार्सिलोना ने बेनफिका को मात दी, लिवरपूल ने पीएसजी को हराया

लिस्बन, एजेंसी। रफीन्हा के एकमात्र गोल की बदौलत एफसी बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग के अंतिम-16 के पहले चरण में बेनफिका को 1-0 से हरा दिया। हालांकि बार्सिलोना को 70 मिनट तक एक खिलाड़ी कम रहने के बावजूद कड़ा संघर्ष करना पड़ा और टीम ने पूरे 90 मिनट तक दबाव में रहने के बावजूद जीत हासिल की। मैच की शुरुआत तेज रही। पहले ही मिनट में केरम अकटुर्कोग्लू का शॉट बार्सिलोना के गोलकीपर वोज्शेख शेजनी ने रोक लिया।

वहीं, निकोलस ओटामेंडी का शॉट भी बेनफिका के लिए अच्छा मौका था, लेकिन वह नाकाम रहे। दूसरी ओर, दानी ओल्मो का शॉट थोड़ा बाहर चला गया। रिपोर्ट के अनुसार, 22वें मिनट में बार्सिलोना को बड़ा झटका लगा, जब पाउ कुबार्सी को वांगेलिस पावलिडिस को गिराने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बाद बार्सिलोना को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बाद गोलकीपर शेजनी ने बढ़िया प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम के कुछ शानदार शॉट्स को रोका जिसमें ओरकुन कोकचू की फ्री किक भी शामिल थी। इस दौरान राफिन्हा के पास गोल करने का बढ़िया मौका था लेकिन वह चूक गए। इसी बीच, बार्सिलोना के कोच हैंसी फ्लिक ने ओल्मो को बाहर कर रोनाल्ड अराउजो को मैदान पर उतारा। दूसरे हाफ में भी शेजनी ने दो बेहतरीन बचाव किए। कुछ देर बाद ही राफिन्हा

ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट मारकर गेंद को निचले कोने में डाल दिया और बार्सिलोना को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद बेनफिका ने दबाव बढ़ाया, लेकिन शेजनी अपने शानदार खेल से दीवार की तरह बने रहे। आखिरी मिनट में उन्होंने रेनाटो सांचेज का शॉट भी बेहतरीन अंदाज में रोक लिया। दूसरी ओर, लिवरपूल ने पेरिस सेंट-जर्मन (पीएसजी) को 1-0 से हराया। लिवरपूल के सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी हार्वी इलियट ने मैच का एकमात्र गोल किया। वह मैदान पर आए थे और तुरंत ही डार्विन नुनेज के पास पर बाएं पैर से गोल दाग दिया। इससे पहले लिवरपूल पूरे मैच में दबाव में था। इसके अलावा मैच में पीएसजी का दबदबा बना रहा। डेम्बेले और क्वारत्सखेलिया के कई शॉट लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने रोक लिए। दूसरे हाफ में भी पीएसजी ने लगातार हमले किए, लेकिन लिवरपूल किसी तरह टिके रहे। अन्य मुकाबलों में, इंटर मिलान ने फेयेनोर्ड को 2-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। जर्मन टीमों के मुकाबले में बायर्न म्यूनिख ने बायर लेवरकुसेन को 3-0 से हराया।

पाकिस्तान पहुंचे बीसीसीआई वाइस प्रेसिडेंट- भारत-पाक सीरीज पर कही साफ बात

लाहौर, एजेंसी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बुधवार को कहा कि यह बहुत स्पष्ट है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट की बहाली भारत सरकार की मंजूरी के अधीन है।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल देखने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के निमंत्रण पर यहां आए बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी कहा कि भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुकूल पिचों पर निर्भर नहीं है। शुक्ला ने कहा कि जहां तक आप दोनों देशों के बीच क्रिकेट के बारे में पूछ रहे हैं तो यह बहुत स्पष्ट है कि यह (भारतीय) सरकार का फैसला है। भारत की सरकार जो भी कहेगी, हम उनके अनुसार चलेंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लंबे समय के बाद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है और यह अच्छी बात है। उन्होंने इसका अच्छे से आयोजन किया है।

शुक्ला ने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देशों के प्रशंसक द्विपक्षीय संबंध फिर से शुरू करना चाहते हैं लेकिन तटस्थ स्थल पर खेलने के विचार पर वह सकारात्मक नहीं दिखे। उन्होंने कहा कि यह सच है कि दोनों देशों के प्रशंसक चाहते हैं कि टीमें खेलें, लेकिन बीसीसीआई की नीति रही है कि द्विपक्षीय मैच एक-दूसरे की धरती पर ही होने चाहिए ना कि किसी तीसरे (या) तटस्थ स्थल पर और पीसीबी की भी ऐसी ही नीति होगी।

शुक्ला ने कहा कि बीसीसीआई की लगातार यही नीति रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में भी एक प्रावधान है जो सरकार की सहमति के बारे में है। यह एक बड़ा प्रावधान है इसलिए यह सरकार की सहमति के दृष्टिकोण से होता है।

इस अनुभवी प्रशासक ने कहा कि हर दूसरा देश भारत-पाकिस्तान की मेजबानी करने की पेशकश करेगा, कौन नहीं करेगा? उन्होंने कहा कि हम अपनी बात सरकार के सामने रखते हैं, लेकिन वे विचार-विमर्श के बाद फैसला करते हैं। जब सरकार कोई फैसला लेती है तो वह कई पहलुओं पर विचार करने के बाद लेती है। यह उनका आंतरिक मामला है।

पंजाब दे शेर सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग सीजन 11 का चैंपियन बना

चंडीगढ़, एजेंसी। मैसूर के कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन ग्राउंड पर चेन्नई राइनोज के खिलाफ खेले गए फाइनल में पंजाब दे शेर ने सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग के 11वें संस्करण में जीत दर्ज की। फाइनल में पंजाब दे शेर ने चेन्नई राइनोज को आठ विकेट से हराया। हार्डी संधू की कप्तानी में पंजाब दे शेर ने राइनोज को पहले 10 ओवर में 89/5 पर रोका। जवाब में पंजाब दे शेर ने 103/1 का स्कोर बनाकर चेन्नई राइनोज पर 14 रन की बढ़त हासिल की जिसमें राहुल जेटली ने 29 गेंदों पर 43 रन और बब्बल राय ने 24 गेंदों पर 40 रन बनाए। दूसरी पारी में राइनोज 85/6 पर सिमट गई और केवल 72 रन का लक्ष्य मिला। पंजाब दे शेर ने मात्र 8 ओवर में दो विकेट खोकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के लिए पंजाब दे शेर के कप्तान हार्डी संधू को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। जस्सी गिल अपनी गेंदबाजी के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने।

सुयश राय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। राहुल जेटली ने अपने दमदार प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार जीता। पंजाब दे शेर के को-ओनर्स पुनीत सिंह और नवराज हंस ने टीम की शानदार यात्रा पर बहुत गर्व व्यक्त किया, यह जीत हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है।बंगाल टाइगर्स पर सेमीफाइनल में मिली जीत से लेकर फाइनल में शानदार प्रदर्शन तक, हर खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

आईएमएल: 2025

बेन डंक-शेन वॉटसन के शतक, 91 रन से हारी सचिन तेंदुलकर की इंडिया मास्टर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने आईएमएल 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में इंडिया मास्टर्स को 95 रन से हरा दिया। वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने पहले खेलते हुए 269 रन जड़े थे। जवाब में इंडिया की टीम 174 रन ही बना पाई। जेवियर डोहर्टी को 5 विकेट लेने पर मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। मैच में सचिन तेंदुलकर के नेतृत्व में इंडिया मास्टर्स ने टॉस जीता और पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया था।

चैम्पियंस ट्रॉफी -2025

न्यूजीलैंड ने अधिक रन बना दिए, टारगेट 350 होता तो कोशिश करतेः तेंबा बावुमा

लाहौर, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका का आईसीसी टूर्नामेंट में अभियान एक बार फिर नॉकआउट दौर में खत्म होने के बाद कप्तान तेंबा बावुमा ने स्वीकार किया कि सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन बनाए और उन्हें पर्याप्त साझेदारियां नहीं करने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

न्यूजीलैंड के 363 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल सेंटनर (43 रन पर तीन विकेट) और ग्लेन फिलिप्स (27 रन पर दो विकेट) की बलखाती गेंदों के सामने दक्षिण अफ्रीका की टीम डेविड मिलर (100 रन, 67 गेंद, 10 चौके, चार छक्के) के शतक और रेसी वान डेर डुसेन (69) तथा बावुमा (56) के अर्धशतक के बावजूद नौ विकेट पर 312 रन ही बना सकी। बावुमा ने मैच के बाद कहा कि न्यूजीलैंड ने प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन बनाए। मुझे लगता है कि विकेट के बेहतर होने के साथ हमने 350 रन का

पीछा करने के लिए खुद को तैयार किया। हमने एक या दो अच्छी साझेदारियां कीं लेकिन वे पर्याप्त नहीं थीं। उन्होंने कहा कि मुझे या रेसी वान डेर डुसेन में से एक को बड़ा स्कोर बनाना चाहिए था जो नहीं हो सका।

न्यूजीलैंड ने हमें शुरू से ही दबाव में रखा। उन्होंने नियमित रूप से ऑफ साइड को भेदा और बीच के ओवरों में बाउंड्री लगाते रहे। डेथ ओवरों में विकेट हाथ में होने के कारण उन्हें रोकना मुश्किल था और हम दबाव में आ गए। शतक जड़ने के लिए मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रविंद्र टीम की जीत में योगदान देकर काफी खुश हैं। रविंद्र ने कहा कि सेमीफाइनल में बेहतरीन जीत में योगदान देना शानदार अहसास है।

मैं उतनी अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया जितनी मैं चाहता था। दक्षिण अफ्रीका ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन एक बार जब हम लय में आ गए तो केन (विलियमसन) और (विल) यंग के साथ साझेदारी बनाना अच्छा रहा। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट के उतार-चढ़ाव के साथ चलना अच्छा रहा। हम 300 के आसपास रन बनाने की सोच रहे थे। ग्लेन (फिलिप्स) और मिचेल (सेंटनर) ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच की बात करें तो लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हार झेलनी पड़ी।

मिलर ने तोड़ा वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड

लाहौर, एजेंसी। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीकी टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में 50 रनों से हार झेलनी पड़ी। अफ्रीकी टीम की ओर से डेविड मिलर ने अंत तक संघर्ष किया लेकिन यह नाकाफी रहा। मिलर ने 363 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम को 312 रन तक पहुंचाया लेकिन टीम को 50 रन से हार झेलनी पड़ी।

मिलर ने मुकाबले में 67 गेंदों पर शतक लगाया। इसीके साथ वह चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड में वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा।

25 साल की उम्र में रचिन रविंद्र ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

लाहौर, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने बुधवार को चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को मात दी और फाइनल में जगह पक्की की। न्यूजीलैंड की इस जीत में एक बार फिर युवा बल्लेबाज रचिन रविंद्र चमके जिन्होंने शतक जमाया। महज 25 साल की उम्र में रचिन ने रनों का अंबार लगाया और कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। बुधवार को उन्होंने सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ा और साथ ही ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग और केन विलियमसन को भी पीछे छोड़ा।

रचिन रविंद्र ने सचिन तेंदुलकर को छोड़ा पीछेः रचिन रविंद्र ने बुधवार को जो शतक जमाया वह उनका इस टूर्नामेंट में दूसरा और कुल मिलाकर आईसीसी टूर्नामेंट में उनका पांचवां शतक है। 25 साल की उम्र में आईसीसी टूर्नामेंट्स में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। शतकों का शतक लगाने सचिन तेंदुलकर ने 25 साल की उम्र तक आईसीसी

टूर्नामेंट्स में केवल तीन शतक लगाए थे। वहीं उपुल थरंगा तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने दो शतक लगाए थे।

रचिन रविंद्र ने न्यूजीलैंड की ओर से बनाया रिकॉर्डः रचिन रविंद्र आईसीसी टूर्नामेंट्स में न्यूजीलैंड के लिए भी सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पांच शतक लगाए हैं, वहीं केन विलियमसन (3 शतक), ब्रैंडन मैकुलम (2 शतक) और स्टिफेन फ्लेमिंग से भी आगे हैं।

कीवी टीम के लिए बनाए सबसे ज्यादा रनः रचिन रविंद्र 25 साल की उम्र में आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में फिलहाल दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 13 पारियों में 793 रन बनाए हैं। उनसे आगे केवल सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 16 पारियों में 955 रन बनाए थे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने 19 पारियों में 670 रन बनाए हैं। वह तीसरे स्थान पर हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर कदम भारत के अनुकूल : जयशंकर

» लंदन, भाषा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है जो भारत के हितों के अनुकूल है और दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते की आवश्यकता पर सहमत हुए हैं।लंदन के चैथम हाउस थिंक टैंक में बुधवार शाम विश्व में भारत का उदय और भूमिका शीर्षक पर आयोजित सत्र के दौरान विदेश मंत्री से नई अमेरिका सरकार के शुरुआती कुछ सप्ताहों में उठाए गए कदमों, विशेष रूप से ट्रंप की शुल्क योजना को लेकर सवाल किया गया। जयशंकर ने कहा, हम एक ऐसे राष्ट्रपति और प्रशासन को देख रहे हैं जो बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है और यह भारत के अनुकूल है। जयशंकर ब्रिटेन और आयरलैंड के छह दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के दृष्टिकोण से हमारे पास एक बड़ा साझा उपक्रम काड है जो एक ऐसी समझ है जहां हर कोई अपना उचित हिस्सा देता है... इसमें किसी को भी लाभ निःशुल्क नहीं मिलता।... इसलिए यह एक अच्छा मॉडल है जो काम करता है। क्वाड में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं।

मंत्री ने शुल्क के विशिष्ट मुद्दे पर कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए फिलहाल वाशिंगटन में हैं। इससे पहले पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप ने व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में वार्ता की थी। जयशंकर ने कहा, हमने इस (शुल्क) विषय पर बहुत खुलकर बातचीत की और उस बातचीत का परिणाम यह हुआ कि हम द्विपक्षीय व्यापार समझौते की आवश्यकता पर सहमत हुए। चैथम हाउस की निदेशक ब्रोनवेन मैडॉक्स के साथ बातचीत के दौरान विदेश मंत्री ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार

समझौते (एफटीए) संबंधी वार्ता पर अपने सतर्क आशावाद सहित कई मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया है इसलिए जटिलता को देखते हुए यह स्वाभाविक है कि इसमें समय लगेगा... (ब्रिटेन के) प्रधानमंत्री (केअर) स्टॉर्मर, विदेश मंत्री डेविड लैमी और (वाणिज्य) मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ मेरी चर्चाओं से मुझे लगातार यह संदेश मिला कि ब्रिटिश पक्ष भी आगे बढ़ने में रुचि रखता है। जयशंकर ने कहा, ...मैं सतर्क आशावादी हूं और उम्मीद करता हूं कि इसमें अधिक समय नहीं लगेगा। विदेश नीति से जुड़े जिन अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।

खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने लंदन में विदेश मंत्री के काफिले को निशाना बनाया, भारत ने निंदा की

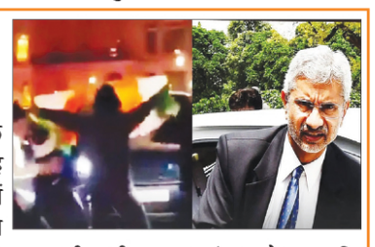

लंदन। लंदन में खालिस्तान समर्थक नारे लगा रहे प्रदर्शनकारियों के एक छोटे समूह में शामिल एक व्यक्ति ने उस समय सुरक्षा घेरा तोड़कर विदेश मंत्री एस जयशंकर की कार को रोकने का प्रयास किया जब वह थिंक टैंक चैथम हाउस के मुख्यालय से बाहर निकल रहे थे। भारत ने अलगाववादियों और चरमपंथियों के इस छोटे समूह की भड़काऊ गतिविधियों की निंदा की है। अलगाववादियों के झंडे लहरा रहे समूह को रोकने के लिए बुधवार रात को अवरोधक लगाए गए थे और बड़ी संख्या में मौजूद पुलिसकर्मियों की उन पर नजर थी। तभी भारत का झंडा पकड़े एक व्यक्ति ने अवरोधकों को पार करके मंत्री की कार का रास्ता रोकने की कोशिश की और अधिकारी उसे पकड़ने के लिए दौड़े। मेट्रोपॉलिटन पुलिस अधिकारी उसे तुरंत एक तरफ ले गए। इस मामले में अब तक किसी को गिरफ्तार किए जाने की सूचना नहीं है। सामुदायिक संगठन इनसाइट यूके ने इस घटना का फुटेज सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा, यह शर्मनाक है कि यह हमला उस समय हुआ है जब डॉ. एस जयशंकर ब्रिटेन की यात्रा पर हैं और उन्होंने ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ सफल बैठक की जहां उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा हुई। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने सुरक्षा में चूक की इस घटना की निंदा की और ब्रिटिश सरकार से अपने राजनयिक दायित्वों का पालन करने का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने विदेश मंत्री की ब्रिटेन यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा संबंधी चूक की घटना के फुटेज देखे हैं। उन्होंने कहा, हम अलगाववादियों और चरमपंथियों के इस छोटे समूह की, उकसावे वाली गतिविधियों की निंदा करते हैं। जायसवाल ने कहा, हम ऐसे तत्वों द्वारा लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग किए जाने की निंदा करते हैं। हम अपेक्षा करते हैं कि ऐसे मामलों में मेजबान सरकार अपने कूटनीतिक दायित्वों का पूरी तरह से पालन करेगी। इससे पहले चैथम हाउस में एक सत्र के दौरान विदेश मंत्री से भारत से संबंधित मानवाधिकार चिंताओं के बारे में सवाल किया गया जिसके जवाब में जयशंकर ने कहा, इसमें से काफी बातें राजनीतिक है। मानवाधिकारों संबंधी कई अभियानों एवं अभिव्यक्तियों के जरिए हमें राजनीतिक कारणों से निशाना बनाया गया है। हम इसे सुनते हैं। हम परिपूर्ण नहीं हैं, कोई भी परिपूर्ण नहीं है। ऐसी परिस्थितियां हो सकती हैं जिनमें कार्रवाई की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, लेकिन मैं वास्तव में यह तर्क दूंगा कि यदि दुनिया पर नजर डाली जाए तो मानवाधिकार को लेकर हमारा रिकॉर्ड बहुत मजबूत है। उन्होंने कहा, एक विश्वसनीय लोकतंत्र के रूप में, जहां लोगों का हमारे लोकतंत्र में विश्वास बढ़ रहा है, जहां पिछले कई दशकों में प्रतिनिधित्व हरसंभव तरीके से व्यापक हुआ है।

फ्रांसीसी परमाणु प्रतिरोध के जरिए यूरोप की सुरक्षा पर सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श करेंगे : मैक्रों

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को कहा कि वह महाद्वीप को रूस के खतरों से बचाने के लिए फ्रांस की परमाणु प्रतिरोध क्षमता का उपयोग करने की संभावना पर यूरोपीय सहयोगियों के साथ चर्चा करेंगे। परमाणु प्रतिरोध सिद्धांत के अनुसार परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्रों पर हमला नहीं किया जाना चाहिए, विशेष रूप से परमाणु हमला क्योंकि जवाबी परमाणु हमले की आशंका भी बेहद अधिक होती है। फ्रांस यूरोपीय संघ का एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न देश है। मैक्रों ने बृहस्पतिवार को एक विशेष यूरोपीय शिखर सम्मेलन से पहले टेलीविजन पर अपने संबोधन में रूस को फ्रांस और यूरोप के लिए खतरा करार दिया। साथ ही मैक्रों ने कहा कि उन्होंने , हमारी (परमाणु प्रतिरोध) क्षमता के जरिए यूरोपीय महाद्वीप के हमारे सहयोगियों की सुरक्षा पर रणनीतिक बहस शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि फ्रांस के परमाणु हथियारों का इस्तेमाल केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति के हाथों में रहेगा। मैक्रों का यह कदम जर्मनी में हाल में हुए चुनाव में विजेता रहे फ्रेडरिक मर्ज़ की उस पहल के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने फ्रांस के साथ परमाणु साझेदारी पर चर्चा का आह्वान किया था। यूरोपीय संघ के नेता बृहस्पतिवार को ब्रुसेल्स में होने वाले शिखर सम्मेलन के दौरान अन्य विषयों के साथ-साथ परमाणु प्रतिरोध के मुद्दे पर भी चर्चा करेंगे। मैक्रों ने कहा, यूरोप का भविष्य वाशिंगटन या मॉस्को में तय नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रूस अब अपने बजट का 40 प्रतिशत हिस्सा सैन्य खर्च के लिए रख रहा है और 2030 तक 300,000 अतिरिक्त सैनिकों, 3,000 टैंकों और 300 जेट लड़ाकू विमानों के साथ अपनी सेना का विस्तार करने की योजना बना रहा है। मैक्रों ने सवाल किया, कौन विश्वास कर सकता है कि आज का रूस, यूक्रेन पर रुक जाएगा? फ्रांस के नेता ने कहा कि सहयोगियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि संभावित शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद रूस फिर से यूक्रेन पर आक्रमण न करे। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यूक्रेनी सेना को दीर्घकालिक समर्थन प्रदान करना और संभवतः यूरोपीय सेना को तैनात करना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोप पर दबाव डाला है कि वह महाद्वीप की सुरक्षा का ज्यादा से ज्यादा भार खुद उठाए। ट्रम्प प्रशासन के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि अमेरिका हमेशा इसमें मौजूदा स्तर पर शामिल नहीं रहेगा।

ट्रंप ने हमास को लेकर तीखी टिप्पणी की

ट्रंप ने हमास को दी गाजा में मौजूद शेष सभी बंधकों को रिहा करने की अंतिम चेतावनी

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में मौजूद सभी बंधकों को रिहा करने की हमास को बुधवार को अंतिम चेतावनी दी। ट्रंप ने आठ पूर्व बंधकों के साथ व्हाइट हाउस में बैठक के तुरंत बाद अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर एक बयान में कहा कि वह इजराइल को वह सब कुछ भेज रहे हैं जो उसे चाहिए। ट्रंप ने कहा, सभी बंधकों को अभी रिहा करो बाद में नहीं और जिन लोगों की तुमने हत्या की है उनके शवों को तुरंत सौंपो नहीं तो अपना खेल खत्म समझो। उन्होंने कहा, सिर्फ बीमार और विकृत लोग ही शव रखते हैं और तुम बीमार और विकृत हो। इससे पहले व्हाइट हाउस ने कहा था कि अमेरिकी अधिकारी हमास के अधिकारियों के साथ निरंतर वार्ता और विचार-विमर्श कर रहे हैं।

अमेरिका का यह कदम चरमपंथी संगठन के साथ सीधे तौर किसी तरह की बातचीत नहीं करने की उसकी दीर्घकालिक नीति से अलग है। व्हाइट हाउस की ओर से यह जानकारी मिलने के बाद ट्रंप ने हमास को लेकर यह तीखी टिप्पणी की है। कतर की राजधानी दोहा में वार्ता की पुष्टि ऐसे समय में हुई है जब इजराइल-हमास

संघर्षविराम अब भी अधर में लटका हुआ है। विदेश मंत्रालय ने 1997 में हमास को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था और उसके बाद से यह अमेरिका और हमास के बीच प्रत्यक्ष तौर पर पहली बातचीत है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने वार्ता के विषय में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूतों को किसी से भी बात करने के लिए अधिकृत किया है। ट्रंप ने बुधवार को आठ पूर्व बंधकों - इयर हॉर्न, ओमर शेम टोव, एली शरॉबी, कीथ सीगल, अवीवा सीगल, नामा लेवी, डोरोन स्टीनब्रेचर और नोआ अरगामानी से व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी।

ट्रंप प्रशासन पूर्व सैनिक विभाग से 80,000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रहा

वाशिंगटन। अमेरिका में पूर्व सैनिक विभाग अपने पुनर्गठन की योजना बना रहा है, जिसमें लाखों पूर्व सैनिकों को स्वास्थ्य देखभाल और अन्य सेवाएं प्रदान करने वाली इस एजेंसी से 80,000 से अधिक नौकरियों में कटौती शामिल है। इस बाबत अमेरिकी समाचार एजेंसी एसोसिएटिड प्रेस को प्राप्त आंतरिक मेमो से यह जानकारी मिली है। पूर्व सैनिक विभाग के चीफ ऑफ स्टाफ क्रिस्टोफर सिरेक ने मंगलवार को एजेंसी के शीर्ष अधिकारियों को बताया कि इस पुनर्गठन का उद्देश्य पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की कटौती करना है, ताकि कर्मचारियों का स्तर 2019 के समान हो जाए जब उनकी संख्या चार लाख से कम थी। बाइडन प्रशासन के दौरान इस विभाग का विस्तार किया गया था और अगर इस योजना पर आगे बढ़ा गया तो कई हज़ार कर्मचारियों को नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। इसमें एजेंसी के अधिकारियों से व्हाइट हाउस के सरकारी दक्षता विभाग के साथ मिलकर काम करने का भी आह्वान किया गया है।

ट्रंप प्रशासन ने संभावित बिक्री के लिए लक्षित सैकड़ों संघीय इमारतों की सूची हटाई

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने सरकारी कार्यों के लिए महत्वपूर्ण नहीं मानी गई 440 से अधिक उन संघीय संपत्तियों की मंगलवार को एक सूची प्रकाशित की, जिन्हें बंद करने या बेचने के लिए चिह्नित किया गया था लेकिन बाद में इस सूची को हटा दिया गया। मूल सूची में एफबीआई (संघीय जांच ब्यूरो) मुख्यालय एवं न्याय विभाग की मुख्य इमारत को भी शामिल किया गया था। बहरहाल, प्रशासन ने मूल सूची जारी करने के कुछ ही घंटों बाद केवल 320 प्रविष्टियों वाली संशोधित सूची जारी की जिसमें वाशिंगटन, डीसी की कोई इमारत शामिल नहीं थी। सूचियां प्रकाशित करने वाले सामान्य सेवा प्रशासन (जीएसए) ने सूची को हटाए जाने संबंधी प्रश्नों का तत्काल उत्तर नहीं दिया। जीएसए ने 443 संपत्तियों की प्रारंभिक सूची के बारे में कहा था, हम उन इमारतों और सुविधाओं को चिह्नित कर रहे हैं जो सरकारी कामकाज के लिए अहम नहीं हैं।

कनाडा पर से शुल्क हटाएं ट्रंप, तभी अमेरिका पर लगाए गए शुल्क को हटाएगा कनाडा

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अमेरिका पर लगाए गए जवाबी शुल्क को तब तक हटाने के लिए तैयार नहीं हैं जब तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके देश पर लगाए गए किसी भी शुल्क को हटा नहीं लेते। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी बुधवार को एसोसिएटेड प्रेस को दी। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर ट्रूडो के रुख की पुष्टि की। अधिकारी ने कहा कि दोपहर के आसपास ट्रंप और ट्रूडो ने फोन पर बात की। अन्य कनाडाई अधिकारियों ने भी ट्रूडो की ही बात दोहराई है। कनाडा के वित्त मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन से कहा, हमें बीच में बैठक करने और कुछ कम शुल्क लेने में कोई दिलचस्पी नहीं है। कनाडा चाहता है कि शुल्क हटाए जाएं। कनाडा के सबसे अधिक आबादी वाले ओन्टारियो प्रांत के प्रमुख डग फोर्ड ने इस पर सहमति जताई है। फोर्ड ने कहा, शुल्क हटाओ, इससे कम पर कोई बात नहीं। हमारे देश ने इसकी शुरुआत नहीं की। (भाषा)

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका ने भारत से अपने मछुआरों को देश के जलक्षेत्र में जाने से रोकने को कहा

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका सरकार ने भारत से अनुरोध किया है कि वह अपने मछुआरों को मछली पकडऩे के लिए देश के जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने से रोके। परिवहन, राजमार्ग, बंदरगाह और नागरिक उड्डयन मंत्री बिमल रत्नायका ने कहा कि भारत की इस कार्रवाई की उत्तरी श्रीलंका के लोग सराहना करेंगे, क्योंकि मछली पकडऩा ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है। उनकी यह टिप्पणी अगले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संभावित श्रीलंका यात्रा से पहले आई है। रत्नायका ने बुधवार को संसद में कहा, हम जानते हैं कि भारत श्रीलंका की बहुत मदद कर रहा है। लेकिन जाफना के लोगों के लिए यह मदद सबसे बड़ी होगी। उन्होंने कहा, उनके पास कोई अन्य उद्योग नहीं है और यदि आप मन्नार और थलाईमन्नार जाएंगे तो आप देखेंगे। रत्नायका ने कहा कि भारत ने लिट्टे के साथ सशस्त्र संघर्ष के दौरान उत्तरी श्रीलंका के लोगों की काफी सहायता की थी।

मंत्री ने जोर देकर कहा, उन्होंने उन्हें सुरक्षा दी और हम इसके लिए भारत के आभारी हैं। उनके मुताबिक भारत, तमिलनाडु सरकार और उनके सांसद जो सबसे बड़ी सहायता कर सकते हैं, वह है उत्तरी क्षेत्र के लोगों को उनकी आजीविका को संरक्षित करने में मदद करना। रत्नायका ने कहा, यदि वे यह सहायता नहीं दे सकते तो सवाल यह है कि क्या उनकी अन्य सभी सहायता वास्तविक थी ? विपक्षी सांसद एम. गणेशन ने कहा कि श्रीलंका सरकार को भारतीय प्रधानमंत्री के साथ वार्ता के एजेंडे में भारतीय मछुआरों द्वारा अवैध रूप से मछली पकड़ने के मुद्दे को भी शामिल करना चाहिए। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा कि उन्होंने 2024 में श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के लिए 550 से ज़्यादा भारतीय मछुआरों को गिरफ़्तार किया है।

न्यूजीलैंड के राजनयिक को ट्रंप पर टिप्पणी करना महंगा पड़ा, नौकरी गई

» वेलिंगटन (न्यूजीलैंड), भाषा।

ब्रिटेन में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त को इस सप्ताह लंदन में एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में की गई टिप्पणी के कारण नौकरी से हाथ धोना पड़ा। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ब्रिटेन में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त फिल गॉफ ने मंगलवार को लंदन में अंतरराष्ट्रीय मामलों के थिंक टैंक चैथम हाउस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की।

गॉफ ने अतिथि वक्ता फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन के दर्शकों से एक प्रश्न पूछा, जिसमें उन्होंने कहा कि वह युद्ध काल के दौरान 1938 में ब्रिटेन के नेता रहे विंस्टन चर्चिल के उस समय के प्रसिद्ध भाषण को फिर से पढ़ रहे थे, जब चर्चिल तत्कालीन प्रधानमंत्री नेविल चेम्बरलेन की सरकार में एक सांसद थे। चर्चिल के भाषण में ब्रिटेन द्वारा एडोल्फ हिटलर के साथ म्यूनिख समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की निंदा की गई थी, जिसके तहत जर्मनी को चेकोस्लोवाकिया के कुछ हिस्से पर कब्जा करने की अनुमति दी गई थी। गॉफ ने बताया कि चर्चिल ने चेम्बरलेन से कहा था, आपके पास युद्ध और अपमान के बीच विकल्प था। आपने अपमान चुना, फिर भी आपको युद्ध ही मिलेगा। फिर गॉफ ने वाल्टोनन से सवाल

किया, राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस (अमेरिका के राष्ट्रपति के कार्यालय) में चर्चिल की आवक्ष प्रतिमा को फिर से स्थापित किया लेकिन क्या आपको लगता है कि वह वास्तव में इतिहास को समझते हैं? न्यूजीलैंड के समाचार संस्थानों द्वारा प्रसारित कार्यक्रम के वीडियो के अनुसार, न्यूजीलैंड के राजदूत के इस सवाल पर दर्शक हंसने लगे जिसके बाद वाल्टोनन ने कहा कि वह अपने आप को यह कहने तक सीमित रखेंगी कि चर्चिल ने बहुत ही कालजई टिप्पणी की है। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि गॉफ की टिप्पणी निराशाजनक थी और इससे राजदूत की स्थिति अस्थिर हो गई। पीटर्स ने एक लिखित बयान में कहा, हमने विदेश मामलों के और व्यापार सचिव बेडे कॉरी से कहा है कि वह लंदन में न्यूजीलैंड उच्चायोग में नेतृत्व परिवर्तन के लिए गॉफ के साथ मिलकर काम करें। गॉफ जनवरी 2023 से ब्रिटेन में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त हैं। उन्होंने इस मामले पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री हेलेन क्लार्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा कर गॉफ को बर्खास्त किए जाने की निंदा की।

अमेरिका : नौकरी से निकाले गए पूर्व सैनिक ठगा सा महसूस कर रहे

वाशिंगटन। अमेरिकी वायुसेना के पूर्व सैनिक नैथन हूवेन दिव्यांग हैं और उन्होंने पिछले साल नवंबर में हुए राष्ट्रपति के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के लिए मतदान किया था। बमुश्किल तीन महीने बाद, अब वह बेरोजगार हैं और कहते हैं कि राष्ट्रपति द्वारा संघीय सरकार के आकार घटाने की वजह से वह ठगा से महसूस कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। हूवेन को वर्जीनिया में पूर्व सैनिकों के चिकित्सा केंद्र से फरवरी में नौकरी से निकाल दिया गया था। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि कई अन्य पूर्व सैनिकों ने भी इसी तरह से मतदान किया है, और हमारे साथ विश्वासघात किया गया है। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरा जीवन और मेरे जैसे कई लोगों का जीवन, जिन्होंने इस देश के लिए बहुत कुछ त्याग किया है, नष्ट किया जा रहा है। जनवरी में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी की जा रही है और इससे पूर्व इससे पूर्व सैनिक काफी प्रभावित हैं जिनकी देश के संघीय कार्यबल में 30 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। हालांकि पिछले महीने डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने अनुमान लगाया था कि यह संख्या संभवतः हजारों में है। पूर्व सैनिक विभाग अपने पुनर्गठन की योजना बना रहा है, जिसमें लाखों पूर्व सैनिकों को स्वास्थ्य देखभाल और अन्य सेवाएं प्रदान करने वाली इस एजेंसी से 80,000 से अधिक नौकरियों में कटौती शामिल है।

दक्षिण-पश्चिमी हैती का हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए तैयार

» सैन जुआन, भाषा।

दक्षिण-पश्चिमी हैती में एक हवाई अड्डा पहली बार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए तैयार है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस हवाई अड्डे के अस्तित्व में आने से उन वाणिज्यिक विमानन कंपनी को एक सुरक्षित विकल्प मिला है, जिन्होंने हिंसाग्रस्त पोर्ट-ऑ-प्रिंस के मुख्य हवाई अड्डे के लिए सभी उड़ानें रोक दी हैं। लेस केयस में स्थित एंटोनी साइमन हवाई अड्डे का नाम हैती के उस राष्ट्रपति के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1900 के दशक के आरंभ में विद्रोह का नेतृत्व किया था। यह हवाई अड्डा लगभग दो दशक तक संचालित रहा और 2013 में इसके रनवे का विस्तार करने के लिए इसका पुनर्निर्माण कार्य शुरू हुआ।

यह अब हैती का तीसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। इसके विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने का एक नया रास्ता उपलब्ध होने की संभावना है। हैती की अंतरिम राष्ट्रपति परिषद के अध्यक्ष लेस्ली वोल्टेयर ने बुधवार को, पुनर्निर्मित हवाई अड्डे का अनावरण करने के लिए लेस केयस की यात्रा की और कहा कि इससे पर्यटन सहित अन्य क्षेत्रों के विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, बुनियादी संरचना किसी भी देश के आर्थिक विकास का आधार है। पोर्ट-ऑ-प्रिंस में टूसेंट लौवरचर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा खुला है, लेकिन वाणिज्यिक उड़ानें रोक दी गई हैं, क्योंकि नवंबर में गिरोहों द्वारा तीन विमानों पर गोलीबारी किए जाने से एक विमान का परिचारक घायल हो गया था।

दुर्लभ उष्णकटिबंधीय चक्रवात | तटीय क्षेत्रों में 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल रही

दुर्लभ चक्रवात ऑस्ट्रेलिया के तट पर पहुंचा स्कूल बंद, सार्वजनिक परिवहन थमा

» ब्रिसबेन, भाषा।

ऑस्ट्रेलिया में एक दुर्लभ उष्णकटिबंधीय चक्रवात के प्रभाव के कारण तेज हवाओं और बारिश ने बृहस्पतिवार को पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में अपना असर दिखाना शुरू कर दिया, जिसके चलते स्कूल बंद कर दिए गए तथा यातायात रोक दिया गया। निवासियों ने रेत की बोरियों की कमी से निपटने के लिए पॉटिंग मिक्स खरीदा। मौसम विज्ञान ब्यूरो के प्रबंधक मैट कोलोपी ने कहा कि अनुमान है कि उष्णकटिबंधीय चक्रवात अल्फ्रेड शनिवार की सुबह सनशाइन कोस्ट क्षेत्र और दक्षिण में गोल्ड कोस्ट शहर के बीच किसी जगह क्वींसलैंड राज्य के तटीय हिस्से को पार करेगा।

इन दोनों क्षेत्रों के बीच राज्य की राजधानी ब्रिसबेन स्थित है, जो ऑस्ट्रेलिया का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है और

2032 ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। कोलोपी ने ब्रिसबेन में संवाददाताओं से कहा, पहले से ही तटीय क्षेत्रों में 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल रही हैं। इनके और अधिक प्रबल होने की संभावना है। ऐसी संभावना प्रबल है कि चक्रवात अल्फ्रेड ब्रिसबेन के पास तट को पार कर जाएगा। 1974 में चक्रवात जो गोल्ड कोस्ट से टकराया था और इसके प्रभाव से जबरदस्त बाढ़ आई थी। क्वींसलैंड के उष्णकटिबंधीय उत्तर में चक्रवात की घटनाएं आम हैं, लेकिन न्यू साउथ वेल्स राज्य की सीमा पर राज्य के समशीतोष्ण और घनी आबादी वाले दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में चक्रवात की घटनाएं दुर्लभ हैं। चक्रवात 40 लाख से अधिक लोगों की आबादी वाले क्षेत्र से होकर गुजरने वाला है। चक्रवात के प्रभाव से तेज हवाओं के साथ बारिश होने के कारण एक बड़े इलाके में बाढ़ आने की आशंका है। आशंका है कि चक्रवात के कारण ब्रिसबेन में तटीय क्षेत्र में स्थित 20,000 से अधिक घर बाढ़ की चपेट में आ सकते है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि मौसम की स्थिति खराब होने के कारण बृहस्पतिवार को दक्षिणी क्वींसलैंड में 660 स्कूल और उत्तरी न्यू साउथ वेल्स में 280 स्कूल बंद कर दिए गए। अल्बनीज ने कहा कि संघीय सरकार ने ब्रिसबेन में 310,000 सैंडबैग (रेत से भरे बैग) पहुंचाए हैं तथा और अधिक सैंडबैग भेजे जा रहे हैं। अल्बनीज ने कहा कि संघीय सरकार ने ब्रिसबेन में 310,000 सैंडबैग (रेत से भरे बैग) पहुंचाए हैं तथा और अधिक सैंडबैग भेजे जा रहे हैं।

अमेरिका में बर्फीले तूफान के हालात, और अधिक बवंडर उठने का खतरा

अटलांटा (अमेरिका)। अमेरिका में गंभीर मौसमी परिस्थितियों के कारण कई जगहों पर तबाही का मंजर छाया हुआ है। शक्तिशाली तूफान ने मिसिसिपी में जहां तीन लोगों की जान ले ली, वहीं बुधवार को तेज हवाओं के कारण ओक्लाहोमा के एक छोटे से शहर में इमारतों की छतें उड़ गईं, जिसके बाद ईस्ट कोस्ट के पास बवंडर उठने की चेतावनी जारी की गई जबकि मध्य-पश्चिम में भारी बर्फबारी हुई और शुष्क, हवादार मौसम के कारण टेक्सास में जंगल में आग भड़क गई। इस बीच, मौसम पूर्वानुमानकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि बुधवार से शुक्रवार तक प्रशांत महासागर में आने वाले तूफान के कारण कैलिफोर्निया और पश्चिम के अन्य भागों में व्यापक बारिश तथा पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। बुधवार को कैरोलाइना, फ्लोरिडा और वर्जीनिया में तूफान की चेतावनी जारी की गई। नॉर्थ कैरोलाइना के यूनियन काउंटी के अधिकारियों ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने पुष्टि की है कि बुधवार को यूनियनविले क्षेत्र में ईएफ1 बवंडर उठा, जिसके कारण कई ढांचों को क्षति हुई और 145 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलीं, जिसका असर बिजली आपूर्ति पर पड़ा।

यूरोपीय संघ के नेता यूक्रेन पर आपात बैठक करेंगे

» ब्रसेल्स, भाषा।

यूरोपीय संघ के नेता अपने सैन्य बजट को शीघ्र बढ़ाने के तरीकों पर सहमति बनाने के लिए बृहस्पतिवार को आपात बैठक करने की योजना बना रहे हैं। यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सहायता को रोके जाने तथा यह संकेत दिए जाने के बाद हो रही है कि यूरोप को अपनी सुरक्षा का ध्यान स्वयं रखना होगा। महज एक महीने में ही राष्ट्रपति ट्रंप ने सुरक्षा साझेदार के रूप में अमेरिका की विश्वसनीयता की पुरानी धारणाओं को पलट दिया है। उन्होंने रूस से बातचीत की है और यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन वापस ले लिया है। ट्रंप ने यूक्रेन को अमेरिकी सैन्य आपूर्ति रोकने का सोमवार को आदेश दिया और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की पर युद्ध समाप्त करने के लिए रूस के साथ वार्ता में शामिल होने का दबाव डाला।

इसके मद्देनजर ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के नेताओं को बैठक करने की तात्कालिकता महसूस हुई। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन ने यूरोपीय संघ के 27 नेताओं को लिखे एक पत्र में चेतावनी देते हुए कहा, यूरोप एक स्पष्ट खतरे का सामना कर रहा है ऐसा हमने पहले कभी नहीं देखा। हमारी कुछ बुनियादी धारणाओं को कमज़ोर किया जा रहा है। यूरोपीय संघ के नेता रक्षा खर्च के लिए अधिक धनराशि प्राप्त करने तथा प्रतिबंधों को कम करने के तरीकों पर विचार करेंगे।लेकिन यूरोपीय संघ के लिए शायद सबसे बड़ी चुनौती ऐसे समय में एकजुट रुख अपनाना होगा, जब यह विभाजित है। यूरोपीय संघ जो कुछ भी करता है, उसके लिए सर्वसम्मति की आवश्यकता होती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,